خط کتابت أردؤ کورس کی

ووسری کتاب

رمعيار ٢ تا ٢ جاءت ١

مجلسرادارت

پروفیسر محمد مجیب عبرالله ولی مخش قادری محمد واکر عبرالغفار مردولی محمد ذاکر عبدالغفار مردولی

خطركتا بت أرد وكورك

ا. جامعہ بلیہ اسلامیہ جامعہ نگرنٹی دہلی کے جشن زریس انتظام کی مؤقع پراس کورس کے استظام کی ابتدا کی گئی ہے

۲- اِس کورس کا مقصد مختلف زبانوں کے ذریعے خط کتابت کے سہارے آردؤگی ابتدائی تعلیم دینا ہے

مع. توقع کی جاتی ہے کر سیکھنے والا عام فہم أردؤ بول سكتا ہو اور سمجھ سكتا ہو۔

م سیکھنے والے کے بے ضروری ہے کہ وہ کوئی ایک زبان برده سکتا ہو۔

۵۔ فی الحال بندی اور کے ذریعے تعلیم دینے کا اِنتظام کیا گیا ہے۔

ای کے نصاب کے مطابق کنا ہیں نیار کی کئی ہیں، شرکت کے قوا عدیہ ہیں :

قواعرشركت

ا. جولوگ جمارے دفترے خطاکتابت کے ذریعے ربط قائم رکھ گرتعلیم پانا چاہیں دہ ہمارے
 باقاعدہ زکن رطاب علم) کہلائیں گے۔

ا نے اراکین کو داخلہ فارم بھرنے کے بعد اس نصاب اکورس ، کی کتا ہیں ایک ایک کے گئے میں ایک ایک کرکے مفت دی جانیں گی۔ اس تعلیم کی فیس بھی نہیں ہے لیکن پورے کورس کی ڈاک اور کتا ہیں بھیجنے کا خرج دوروپے ہے جو پوسٹل اُرڈر یا منی اُرڈرکے ذریعے اُناچا ہیے۔

١٠ فط بكه وقت دافد نمبركا حواله دِيا كيجي

۳- جو لوگ ہارے دفترے ربط قائم کیے بغیر ہماری کتابوں سے استفارہ گرا جائیں تو وہ مکتبہ جا معہ لمیٹ وابد گرنٹی دہی الماسے مقررہ تیرت پر بیکتا ہیں حاصل کر سکتے ہیں۔

٥- فصاب تعليم اور دافل فارم حاصل كرف كا پترير بن :

ناظم خطاكنابت أرد في كورس جامعه نيه إسلاميه جامعه تكرنى دبي

ख़त किताबत उर्दू कोर्स

- १. जामिश्रा मिल्लिया इस्लामिया, जामिश्रा नगर, नई दिल्ली के स्वर्ण जयन्ती समारोह (१६७०) के अवसर पर इस कोर्स की व्यवस्था करने की शुक्झात की गई ।
- इस कोर्स का उद्देश्य विभिन्न भाषाओं के द्वारा खत के सहारे उर्द् की प्रारम्भिक शिक्षा देना है।
- ३. सीखने वाले के लिए जरूरी है कि वह कोई एक भाषा लिख पढ़ सकता हो।
- ४. श्रमी केवल हिन्दी श्रौर ... के द्वारा उर्दू शिक्षा देने की व्यवस्था की गयी है। इस उद्देश्य के लिए 'रहनुमा' का प्रकाशन किया गया है।
- इस के पाठ्यक्रम के अनुसार पुस्तकों तैयार की गई हैं। प्रवेश के नियम ये हैं।

प्रवेश के नियम

- जो लोग हमारे दफ़्तर से खत किताबत के सहारे हम से सम्बन्ध स्थापित कर के शिक्षा पाना चाहें वह हमारे बाकायदा सदस्य (विद्यार्थी) कहलाएंगे।
- ऐसे सदस्यों को प्रवेश-पत्र भरने के बाद इस कोर्स की किताब एक-एक कर के मुपत दी जायेंगी। इस शिक्षा की फीस भी नहीं है, परन्तु पूरे कोर्स की डाक ग्रीर पुस्तकें भेजने का खर्च २ रुपये है जो प्रवेश पत्र के साथ पोस्टल ग्रार्डर या मनिग्रार्डर द्वारा ग्राना चाहिये।
- प्रवेश होने के बाद पत्र लिखते समय प्रवेश संख्या का हवाना दिया की जिये।
- ४. जो लोग हमारे दप्तर से सम्बन्ध स्थापित किए बिना हमारी पुस्तकों से लाग उठाना चाहें तो वे 'मकतबा जामिग्रा लिमिटेड' नई देहली न० २५ से निश्चित मूल्य पर ये पुस्तकों ले सकते हैं।
- ५. पाठ्यकम और प्रवेश-पत्र प्राप्त करने का पता ये है:

नाजिम

स्त कितावत उर्दू कोस जामिया मिल्लिया इस्लामिया जामिया नगर, नई दिल्ली-२५

خط كتابت أردؤ كورس كى

دوسری کاب

(معیار ۲ تا ۲ جاعت)

مجلس ادارت پروفیسر محمد مجیب عبدالله ولی بخش قادری محد ذاکر عبدالغقار مد بولی

三, 三世

خطركتابت أردؤكورس

- (۱) جامِعه مِلّيه إسلامِيه جامِع ِنگر نئي و بلي ۲۵
- (٢) مكتبه جامِعه لميشة جامِعه نگر نئي دېلي ٢٥

ग्रलामतं

इस पुस्तक में ग्रनजुमन तरक़क़ी उर्दू हिन्द की स्वीकृत ग्रलामतें हैं जिन का प्रयोग एक समय से जामिग्रा मिल्लिया में हो रहा है (देखिये रिसाला उर्दू माह सक्तूबर १६०३ ई०)

म	/
T	e raket
f	,
7	ی ہے
2	2 4
Ŀ	22
o	و
9	ۇ
÷.	,
4	ĵ
<u>.</u>	ن خ

اگست ۱۹۷۱ء

تاريخ إشاعت

ایک پزار

بادِاوَل

کورس سے باہر والوں کے لیے قیمت ۵۰-۱

نایشر ، جامد مبلیه اسلامیه - جامد نگر- ننی دېلی ۲۵ (مطبوعه جبرېست کې)

चन्द बातें

उदू ख़त कितावत की यह दूसरी किताव है। इससे पहले आप रहनुमा पढ़ चुके हैं। इस में हिन्दी के जरिये उदू सिखाने की कोशिश की गयी है। अब आसान आसान जुम्लों के छोटे छोटे सबको से दूसरी किताव शुरु होती है। छुछ सबक पढ़ने के बाद मशक आती है। जिस में पहले ख़ास तरह के लफ्जो को बताने और दोहराने पर जोर दिया गया है। तीन चार सबक के बाद उनसे छुछ मुश्किल सबक आते हैं। आख़िर में ऐसे सबकों पर किताव ख़तम होती है जो छोटे दरजे में पढ़ने वाले उमूमन पढ़ा करते हैं।

इन सबको के एलावा नज़्में भी शामिल की गयी हैं। वह भी शुरु में बहुत यासान हैं। योर फिर निस्वतन मुश्किल होती जाती हैं। लेकिन सब में रवानी यौर लुक्क मौजूद है।

पूरी किताबत में ऐसे सबक और नज़में रखी हैं। जो वड़ी उमर के लोगों के लिये दिल्बस्प और मुफ़ीद हों। आप के सामने अन्दाज़ और बयान के लेहाज से मुख़्तिलिफ नमूने रखे गये हैं। मस्लन ख़त, दरखास्त और ड्रामा किताब के आख़िरी हिस्से में चन्द मशहूर शाएरों की राजलों से जुन कर शेर दर्ज किये गये हैं। आप जानते हैं कि राजल को किस क़दर पसन्द किया जाता है। यहां ऐसे शर लिये गये हैं जो पढ़ने में आसान हैं। लेकिन उन में जबान का मजा और ख़्याल की गहराई मौजूद है।

त्राप की सहूलत के लिये मुश्किल लफ़्जों के माने र्वज कर दिये गये हैं।

इस किताब के बारे में आप अपनी राय हमें जरूर बताये ताकि अगली किताब तैयार करते बक़्त उस से फायदा उठाया जा सके। فهرست

4	224	-1
A	بے پروائ	-۲
9	بے کاری	-14
11	ساری و نیا کے الک رنظم،	-4
Im	مشق	-0
10	كبخس	-4
14	يه کينا تهوا	-6
14.	ہمارا وطن ول سے پیارا وطن (نظم)	-^
IV	پؤوا	-9
۲.	مشق.	-10
PP	پتنگ	-11
Ya	برسات دنظی	-14
44	بيبي وسلطان	-114
49	كنُّول	-11
M	وهوبن	-10
PP	پیاری چرط یو (نظم)	-14
20	خوش حال كبان، تندر ست مزوؤر	-16
٣٤	تاج محل مهم	- 10

وهنگ (نظم)	-19						
مشق المسلم ا	- i-						
ورخواست مهم	- PI						
وهم بهار (نظم)	- 77						
ميرانگين	-44						
٥٠ کيا کيا جائے	-44						
بائيسكل رنظم) علم	-10						
خط خط	-44						
خط کے القاب و آواب	-46						
وعوت نامه ه	- ۲1						
الله الله الله الله الله الله الله الله	-19						
عُقابِ اوْر مَكُولِي مَا اللهِ عَقَابِ اوْر مَكُولِي مَا اللهِ عَقَابِ الْوَرِ مَكُولِي مَا اللهِ عَقَابِ الْو	-r.						
منتخب انتعار							
ميتر تقى ميتر	-141						
مرزا اسدَالله فالب عالب	-44						
نواب مرزا خال وآع	-44						
سيّداكبرخيبن اكبراله آبا دى	-777						
شؤكت على خال قاتى برليؤن	-40						
على سكندر جگر مرادآبادي	14						
دگھوپتی سہاے فراق گورکھپؤری	46						

लिखाई के बारे में

- १. एक ही हरफ को बारीक और मोटा लिखना एक तो कलम की बनावट और दूसरे कलम को चलाने पर निर्भर करता है। जब से फाउन्टेन पैन चले हैं, कलम को बनाने की बात ख़त्म हो गयी। लेकिन कलम को पकड़ने का ढंग अपने बस की बात है। हिन्दी में आप निब का रुख़ बायें से दायें करते हैं। उद्द में दायें से बायें रिखिये। इस से अचरों की बनावट अपने आप ठीक होती जायेगी।
- २. रहनुमा के एक पृष्ठ में हम ने यह दिया है कि उर्दू यत्तर ऊपर से नीचे दायें से बायें त्रोर बायें से दायें किस तरह लिखे जाते हैं।
- ३. शब्दों के लिखने में इस बात पर घ्यान दीजिए कि एक दफ़ा में हाथ हटाये बिना जितना घ्याप लिख सकते हैं, लिखिए। निशानात बाद में लगाइये। उदाहरण के लिये (बसन्त) أَنَّ أَنَّ लिखना हो तो पहले السنا लिखिए इस के बाद ب की बिन्दी, भात्रा, फिर की दो बिन्दियां लगाइये। कुछ घोर उदाहरणो पर गौर कीजिए:

शब्द इस कम से लिखिये

छटी बार	पाँचवी बार	चौथी बार	तीसरी बार	द्सरी बार	, पहली बार	उर्द् शब्द
		L. W.	U	٠,٠	~	سبزى
		تن	U	1.	1	برتن
5	1	曲	کھا	5	لو	كوكفارى
			0	کیا	V	كپاس
mey.		TA NO	1	كبيرط	اسر	كيرطا
		afr Mari	U	كيۆ	لو	كيول كيول
			O STATE OF	جگت	ملب	جگت
		كعلا	للط	9	1	اوكملا
ا تگر	١	,30,	معر	le le	6	جاده گر
			4			

ایک تھا اندھا ایک تھا تگرا وہ دونوں کہیں جارہے تھے راستہ خراب تھا گئکرٹے نے کہا

"راستہ خراب ہے"

اندے ہے کہا

اُہاں راستہ خراب ہے"
اُہاں راستہ خراب ہے"
اُر میری پیٹھ پر بنٹھ جاؤ"
اُور مُجے راستہ دِکھاؤ"
انگرط اندے کی پیٹھ پر بنٹھ گیا
اور راستہ دِکھایا
افر راستہ دِکھایا
انڈے کی آنکھ کا فائدہ اندے کو بُہوا
انڈے کے بیروں کا فائدہ لنگرے کو مہوا
دولؤں نے ایک دؤسرے کی مدد کی
اور دولؤں گھر بہنٹے گئے

۲- بے پرواتی

ایک تھا مالی ، ایک تھا کھار دونوں دوست تھے۔ دونوں نے مل کر ایک اؤنٹ خرمدا اس برایک طرف سبزی لادی، دوسری طرف برتن سنری مالی کی تھی، برتن کھار کے دونوں اؤنٹ نے کر بازار گے باتوں میں ایسے لکے کر اؤٹٹ کا خیال مذربا يه نه د مجها كه اؤنث كيّا كرريا ب اؤنٹ نے اپنی گرون موڑ کر سبزی کھانا مشرؤع کی اور ذراسی دیریس سب صات کرگیا ایک طوف او جھ نے رہا تو دؤمری طوت کے برتن وحوام سے رکر پراے اب تو مالی اور کھار ہوئے ا لیکن کرنی کیا سکتے تھے جو ہونا تھا سو ہو ہے۔

5,62-4

اكبر بے كار بنيٹھا تھا ہم نے کہا "أكبرا اكبركبرا كنول بنيس منت ؟ اكبرك كهابر وارا سؤت ريتا بنيس، ش كيا منون ؟ بم نے کہا " والما! وارا سؤت كيول بنين ويع ؟" دارات كها: ويهم رؤن وطنتا بنيس يش كيا كا تؤن ؟ ہم نے کہا:۔ "ويهم! ويهم! رؤني كيون بنين وصفة؟" ویم سے کہا:۔ رامؤ كياس او نشائيس، ين كيا وصول با ہم نے کہا:-رامو ! رامو ! کیاس کیوں نہیں او تعطیہ ؟

رامؤ سے کہا:۔ سُوہن کیاس دیتا ہنیں، یْس کیا او ٹنٹوں ؟

ہم لے کہا:۔
"سوہن اِسوہن اِ کباس کبوں نہیں دیتے ؟
سوہن سے کہا:۔
"کونی کھڈر پہنتا نہیں، میں کباس بو کرکیا کروں ؟"

اب بربات ہماری سمھ میں آئی کرسب بے کاریکوں بیٹھے بین

آپ کھڌر خرنيت بنيں۔

اکبر کیرا نبتا نہیں۔

وارا سؤت كانتا نهين -

رامؤ کباس او ٔ شتا نہیں سری سری سری از مند

سوہن کپا س بونا نہیں سب بے کار بیٹھے بیش ۔

ساری ونیا کے مالِک

ساری ونیا کے مالک راجا اور برجا کے مالکہ انو کھے سب سے بزالے آنکھ سے اوجھل دِل کے اُجالے ناؤ جگت کی کھینے والے وُکھ بیں سہارا دینے والے جوت ہے تیری جل اور تھل میں باس بے تیری پھول اور کیل میں ب ہے تیر بسیرا تؤیاس اور گر دؤرہے تیرا ہے اکبلوں کا رکھوالا تؤہد اندھیرے گھ کا اُجالا ہے آسول کی اس تؤ ہی ہے۔

جا گئے سوتے باس تؤ ہی ہے۔

سوچ ہیں دِل بہلانے والے
بیتا ہیں یاد اسے والے
بیتا ہیں یاد اسے والے
ہیں جیتے نیرے ہلائے
کھلتی بین کلیاں تیرے کھلائے
تو ہی ڈ ہوئے تو ہی ترایح
تو ہی بی اللہ لگائے
تو ہی بیطرا یار لگائے

٥-مشق

してさて

یہ حون کِسی نفظ کے بہتے ہیں یا آخر ہیں آبیّں تواپے سے پہلے حرف کے بعد نیچے کھے جاتے بیش جیئے سے اوٹ سے اوٹ سے محل کمخاب مشریبان سے ورٹ کو پڑھنے کی مشق اِس سبق میں کرائ گئی سے اِن کے کھنے کی بھی مثق کیسے اِن کے کھنے کی بھی مثق کیسے

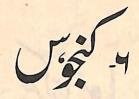
راجا کا ہاتھی

لوگوں میں ہل چل کی کہ راجا کا ہاتھی چھؤٹ گیا۔ مست ہوگیا ہے۔ چاروں طرف بچو ہڑ کا شور ہورہا ہے: بیج بڑے سب
سہے ہؤئے بین ۔ لو اب وہ بیج بازار میں بہنے گیا ۔ آج بسنت بینی کا میلہ بھی ہے ۔ سب لوگ عُمدہ عُمدہ کیڑے بہنے بچر رہے بین ۔ لے لو بھگرڑ کی گئی۔ اسکول کے کچھ بیچے کچھی ، شیم ، انجم ، بین ۔ لے لو بھگرڑ کی گئی۔ اسکول کے کچھ بیچے کچھی ، شیم ، انجم ، بین ۔ لے لو بھگرڑ کی گئی۔ اسکول کے کچھ بیچے کچھی ، شیم ، انجم ، بین ۔ لے لو بھگرڑ کی گئی۔ اسکول کے کچھ بیچے کچھی ، شیم ، انجم ،

بَهِنج دِيا-

اس پرئیٹان میں ایک شخص سڑک کے کِنارے کچھ ڈھونڈھ مہا تھا۔اس سے کسی نے بوجھا کیا دیکھ دہے ہو کہنے لگا ایک برٹریکان کا بیائی بیٹے کا سِکّر گرگیا ہے وہ تو بھاگ گئے مجھے رال جائے گا۔ اس نے کہا:۔ تُم بڑے مؤرکھ معلوم ہوتے ہو۔ بیا ٹی جائے گا۔ اس نے کہا:۔ تُم بڑے مؤرکھ معلوم ہوتے ہو۔ بیا ٹی بیٹیے کے لالج میں اپنی جان گراؤگے۔ وہ دکھیو بیچھے سے مست باتھی ارہا ہے۔ بھاگو اپنی جان بیاؤ اس کے ملازم اگئے وہ ہاتھی کو گھیر لے گئے۔ اس کی جان میں جان آئے۔

مشق = باربار کوئی کام کرنا ملازم = نوکر



ایک آدمی بڑا کبؤس تھا۔ جب وہ مند جاتا تو گھر کا دِیا بھی بجھا کے جاتا ۔ ایک دِن وہ دِیا بجھانا بھؤل گیا۔ راستے میں آسے یا دِ آیا تو وہ واپس لڑٹا اور لگا کواڑ کھٹکھٹا ہے ۔ میں آسے یا دِ آیا تو وہ واپس لڑٹا اور لگا کواڑ کھٹکھٹا ہے ۔ کبا بیوی نے بؤچھا آپ اِتنی جلری کیوں لؤٹ آئے۔ کبا

يوجا كرائے

كَبْوْس نِي كِهَا يُورُجا تو بنين كى ـ گُوكا دِيا بجُعانا بحؤل

كيا تها ـ يا و آبا لوث برا"

بیوی نے کہا' دِیا تو بش نے جُمادِیا تھا۔ مگراب مُجھے فِکر ہے کہ واپس آنے بیں آپ نے بے کار، ہی ہوئتے گھس ڈلئے ۔ کبنوس نے کہا بھگوا ن تُجھے نیکی کا بدلہ دے۔ تو' ہو توں کی فِکر نہ کر ہوئتے تو بیش ہاتھ میں اٹھاکر لایا ہوں ۔ اب وہاں جاکر پہن لوں گا"

٤- پيرکيا بھوا

ارے یہ کیا بڑا ؟ پُھسجھ ہیں بنیں آتا کہاں تھا؟ اب کہاں بؤں؟
پُھسجھ ہیں بنیں آتا ۔ ابھی ابھی تو یثی اثبا جگڑا 'بُواتھا۔ اوھر سے بند کال کو کھڑی نہ کھڑی نہ وروازہ ۔ نہ چلنا نہ بلنا نہ بولنا نہ شننا ۔ بس ایک پھو تی تھی اُس سے کھٹ کھٹ کرنا ۔ مگر بھائی مُنا ۔ بس ایک پھو تی تھی اُس سے کھٹ کھٹ ۔ ایکا ایکی مُنا اگڑا میں کھٹ کھٹ ۔ ایکا ایکی مُنا اگڑا وھڑم جیسے کوئی بڑا بہار ہڑا ہو جیسے توپ کا گولا بھٹا ہو بھائی تم بہنتے ہو تو ہنس ہیں تو آئیا ہی لگا اور دیجھو بھائی ہماری کال کو گھڑی کے ہو گئے 'فکر سے بین اور بیم بہاں کھڑے ہو گئے وہائی کھٹ کرتے رہو اور بیم بہاں کھڑے ہو ہی جاتا ہے۔

تو بُکھ نہ کھٹ کرتے رہو تو ہو ہی جاتا ہے۔

تو بُکھ نہ کھٹ کرتے رہو تا ہے۔

٨- ہماراوطن

یہ ہندوستاں ہے ہمارا وطن مُجّت کی آنکھوں کا نارا وطن ہمارا وطن ول سے پیاراولن وہ ہریائے کھیتوں کی تیاریاں وہ بھل بھؤل پورے وہ بھلواراں ہمارا وطن، دِل سے بیارا وطن بوایس درخنوں کا وہ جھومنا وہ بتوں کا بھولوں کا مُنج بومنا ہمارا وطن ول سے پیارا وطن ساون میں کالی گھٹا کی بہار وہ برسات کی بلکی بلکی پھوار ہمارا وطن ول سے بیرارا وطن وه ماغول میں کوئل وه خنگل مي موا وه گنگا کی لمري وه جنا کا زور ہمارا وطن ول سے پیارا وطن اسے تو ہے زندگی کی بہار وطن کی مُجّت ہو یا مال کا یمّار ہارا وطن ول سے بیارا وطن (بنارت برج زاتن چکست

٩- پؤورا

ایک دِن چِرایا نے پودے سے کہا آپ بیتی سناؤ

پووے نے بول کنا سروع کیا

ایک نتھا سا بیج زمین برگرااور مٹی نے اُسے اندر وہالیا۔ نھوڑے دِن تک مِٹی اور پانی کے زور سے وہ پھوٹا رہا۔ ایک دِن اس نے سرباہر زیکالا۔ لوگ کہنے گئے کِلا پھوٹا

بہم دھؤپ بان اؤر سٹی سے دِن پر دِن بڑھے لگا۔

بل بہریا جُھے دکھ رہی ہو وہ بی ہی ہوں، بی ہوں، بی بی تھا۔
بی بہریا جُھے دکھ رہی ہو وہ بی ہی بووا مؤں۔ بی برطسے لے کر
بی ہی بگل تھا اؤر اب بی ،ی باؤوا ہوں۔ بی اگھڑ مکتا ہوں
اؤپر تک کِتنا نازک ہُوں۔ اُنگل کے اِشارے بی اُکھڑ مکتا ہوں
میری ہنیاں بی بی بی بی ۔ فراسے بوجھ سے آؤس جا بین
میری ہنیاں بی بھیل جائیں گی۔ جرطسے اوپر تھوڑی دور
عک نین بی بھیل جائیں گی۔ جرطسے اوپر تھوڑی دور
عک تو بی ایک بینے سے نیکے کی طرح سیدھا چلا گیا ہوں
جہر ہنیاں الگ الگ ہوگئ بین ۔ بہ سیدھا جھے موٹا سا تنا ہو
جائے گا۔ نیتی نمتی ٹہنیاں بڑسے بڑے کے سے مارے گڑے بن جائی گے

گروں میں ڈالیں یا شافیں بھل آ میں گی۔ زم کونیلیں ہری ہری ہری بتیاں بن جامیں گی۔ میری چھاوں میں لوگ وھؤب سے بچا کریں گے۔ میری ڈالیوں پر متھاری جنیی چھوٹی جھوٹ جھوٹ جھوٹ جھوٹ جھوٹ جھوٹ جھوٹ کی جھوٹاں بسیرالیں گی

رکھا رُت میں اہلہا یا کرؤں گا۔ ہاتھی، گھوڑے ، گاے ، بھینس مجھ سے باندھ جا بیش گے۔ برانی پتیاں بت جھڑ کے موسم میں گر جایا کریں گی اور بین نگا ہوجا یا کرؤں گا۔ بارش مجھے بیا جوڑا بہنائے گی۔ بی بھر ہرا بھرا نظر آوں گا۔ مجھے میں بھول کھلیں گے۔ بھر مبری ٹہنیاں رئاگ رئاگ کے بھلوں سے بھول کھیں گی ۔ بھر مبری ٹہنیاں رئاگ رئاگ کے بھلوں سے لد جا میش گی ۔ لوگ توڑ توڑ کر کھا تیں گے۔ بی بچڑیا شمھاری بھی وعوت ہو گی

بس کہانی ختم ہوگئ۔ کہو کیسی مزیرار کہانی ہے؟ چڑیا بولی" بہت اجھی! فرا وہ دِن جلری لائے میں شھاری ٹہنیوں پر بنیٹے کر میٹھے میٹھے گیت تھیں ٹناؤں گی"

١٠- مشق

ز ـ ز ـ ژ ـ ف ـ ق

یہ حرف دیکھنے ہیں ایک جینی شکل کے بیش لئین نُقطوں کے خرق سے اِن کی آواز بدل جاتی ہے اس سبق بی ایٹے لفظ لائے گئے ہیں۔ جن سے اِن حرفوں کی مشق ہوجائے

پارس

منہؤر ہے کہ اگر پارس لو ہے کو چھؤجائے تو لوہا سونا بن جاتا ہے کو کی گھڑ ہائے تو لوہا سونا بن جاتا ہے کوئی گہتا ہے کہ پارس ایک قیم کی جڑی باؤٹ ہوئ ہے ۔
کوئی کہتا ہے پنھر ہوتا ہے کسی سے بھی پارس وکھیا نہیں مگر اِس کے قصے بہت منہؤر بین ایک قصر یہ ہے ۔

قدیم زمانے میں نربلا ندی کے کِنارے کِنارے ایک بادشاہ کے ہاتھی بطے جارہے تھے۔ سب سے بڑی ذات کے ہاتھی اور نظاہ کے ہاتھی بورے فقر کے ۔ یکا یک باول گرجے اور ڈالر باری ہونے لگی براے براے براے براے براے براے براے برائے ہوگئ گئی براے براے براے براے خاص ہاتھی بختگ میں بھٹک گئیا۔ اوس افراتفری میں بادشاہ کا ایک خاص ہاتھی بختگ میں بھٹک گئیا۔ مؤسم صاف نہ تھا۔ زمین ایشی نرم ہوگئی تھی کہ ذرا ہو بھ برا اور برادے ادھ ادھ بھا گئے بہرا اور برادے ادھ ادھ بھا گئے بہرا

کیں بہتا نہ چلا۔ بادشاہ کو اِطلاع ہؤئی تو وہ بھی فِکر مند ہو گیا کیوں کہ یہ اُس کا جہتیا ہاتھی تھا۔ سب نناہی ملازین کا کھانا۔ بینا حرام ہوگیا ۔ بون تون رات گزری - رقی پھر تلاش شروع ہوئ اس بالتی کا جاوت پاگلوں کی طرح چاروں طرف روتا وحوتا باتنی کا نام لے لے کر پکارنا پھر رہا تھا۔ لتے میں اس یے نزدیک کے ایک کھڑے ہاتھی کی چِنگھاڑ سنی لیک کر وہاں پہنچا ولکھا تو وہی ہاتھی تھا۔ دؤسرے ہاتھوں کی مدوسے آسے نکالا بیا تو لوگوں نے تعجب سے دیکھا کہ ہاتھی کی زنجیر بو لوہ کی تھی سونے کی ہوگئ ہے۔ اب تو سب کے پڑمُردہ دِل باغ باغ ہو گئے۔ مُخروں نے باوشاہ کو ہاتھی طبے کی خر تنائی اور ساتھ ہی یہ مُزوہ بھی شایا کہ ہاتھی کی پاوری زنجیر سولے کی ہوگئی ہے۔ باوشاہ اور درباری فوراً سبھ کئے کہ ہاتھ کی زیجر کمیں بارس سے چھو گئ ہے، اب تو بڑے تثوق و ذوق کے ساتھ ہائیموں کو زنجیریں لگا لگا کر اِس جگل میں سے قطار در قطار گزارا گیا - خود پیارے لوسے کی شام ٹیکتے ہؤئے جُد جُد سے گزرے۔ ماکوئ لوہا سونا ہُوا اور ماکوئ پارس دِکھائی دِیا ۔ یہ دو چار روز کی مخت بس اکارت گئ۔ إس سليلے ميں ايک تطبيع بھی شن لو۔ اكبر بادشاه كا وزير عبدالرجيم خان خانال برا قابِل اؤر بهت سخى آدمى تفا

ہندی کا وہ مانا ہوا کوی ہے ، فاری تو اُس کی مادری زبان تھی ہی۔ عربی اور سنسکرت کا بھی وہ بڑا وروان تھا۔ اس کی سخاوت کا یہ عالم تھا کہ لوگ اُسے یاری سمجھے گئے تھے۔ اس ك متعلّق قسم تم كے تقع مشہور ہوگئ ستھے اس زمانہ مِن قَفِي مِن ایک غربیب مُطرهیا رہتی تھی۔ بہت نیک اور ساوه دِل تھی وہ سبھتی تھی کہ خاں خاناں سج ٹیج پارس ہے. جی میں کتی کھی کہ خدا کرے کبھی اس کا گزر اس طوف سے ہوجائے تو اس کا سب ولڈر دؤر ہوجائے۔ فداکا کرنا ایک دور اسے خررملی کہ خان خاناں اس کے نصبے میں وورے پر آنے والا بْ - اندها كيا جامع دوآلكيس - برُهيا بهت خوش بوني - اور بے چینی سے راہ تکنے لگی ۔ فان فاناں آے تو سب کی آٹھے بھا كرايك لوہ كا توا كے كر دؤڑى كم إن كے جم سے ركھنے سب بابن ہائیں کرتے رہ گئے۔ وہ نہ رکی ۔ فان فاناں فوراً تاڑ کے کہ بات کیا ہے۔ اپنے آومیوں سے کیا کہ اس سے توا ے لو اور ایبا ،ی توا اسے سونے کا بنواکر دے وور بُڑھیا کے گھر سونے کا توا پہنچ گیا وہ نہال ہوگئی. عبرالرجم فان فانال کو سے یک بارس سمھتی رہی

ا وُربھی بہت سے تقصے اور کیلینے پارس کے منہؤر بین ۔ مگر آج تک کسی سے پارس دیکھا نہیں



مِیاں رشید نے ایک دن بینگ اُڑائ بینگ کچھ افیجی ہو گئی ہو گئی تو ہوا اولی:۔

"اُوَّ میرے ساتھ آؤین تھیں دنیا کی سیر کراؤں۔ تینگ بولی بہ جی تو میرا بھی چاہتا ہے، مگراس ڈورنے

ह ने ति की मुं

ہُوا بولی:- یہ کتنی بڑی بات ہے - بین تھاری مدد

كرؤل كى "

وہ بہت تیزی سے چلنے گئی، ڈور ٹوئٹ گئی ہوا نے کہا: ً لواب ہم نُمْ دُنیا کی سیر کو جاتے بیّن ، وہ خوب تیزی سے چلنے گئی پتنگ کو بھی اُڑائے

بیئے چلی جارہی تھی ۔ پنگ گھراگتی ۔ چلا کر کہنے گی ہ۔

"اے ہے اتنی تیز تو مت چلو میرا تو مانس بجولا جارہا

المُونَّ المُ

ہوا نے ایک زور کا قبقہ لگایااور اپنی جال اور بھی تیز

۱۲- برسات

برکھا آئی بادل آئے اوڑھے کالے کمبل آئے کھنڈی ٹھنڈی آین ہوائی كالى كالى چھاييش كھا بيش گری نے ڈیرہ اُمھوایا وهؤب به سایا غالب آیا پھیلا دن کے ساتھ دُھنرلکا بحؤر بحؤراً ، بلكا بلكا برلی آئی سٹور میاتی بھیے بھیے نغے گاتی بادل سے امرت جل برسا امرت جل کیا کومل برسا ہوگئی زِنرہ مُردہ کھینی وُصل کے ذرے چکی رتی دربا اور سمندر أبحرك تازہ مؤمیں نے کر اُتھرے

باغول مين سبزه لهرانيا پھۇلول ، كليول مِن رس أيا بھر شاخوں نے فلعت پہنے پھریائے ہریائے گئے! پیول کھلے کلیاں اہرائی كونليس بهر شانون من آيش موتی بادل سے رسائے يتوں نے وامن بھيلائے تالابول میں مبینرک بولے بیبوں نے مُنّہ اپنے کھولے بادل گرجا ، بجلی چمکی آئ صرا رم جھم رم جھم کی به مهندا برسات کا عالم به بیارا برسات کا عالم گرمی کی فریاد نہیں ہے گرمی کب تھی باد ہیں ہے

بیمات اکبر آبادی

١١- ميروسلطان

سُرِنگا پٹم مینور کے قربیب کا دیری دریا کے ایک جزیرے پر واقع ہے۔ یہاں پڑانے زمانے میں بہت سی خوب صورت عارین تغییں ۔ عمرہ عمرہ باغ تھے۔ دوسو برس پہلے بہاں میسور کی راج دھانی تھی ۔ اس میں ایک بہت بڑا تولعہ بھی تھا ۔

أس وقت ليبيئ سُلطان ميسور كا بادشاه شما - وه سُرُكُا يتم کے قلع بیں رہتا تھا۔ اِس قلعہ ہر آنگر ہزوں نے کئ بار حملہ كيا - وه بيور پر قبصه كرنا چاہتے تھے مگر ٹيپيؤ سُلطان ہر مزنب بہاوری سے لڑا۔ اُس نے انگریزوں کو قلع کے اندر نہ گھنے ریا۔ اِس کی بہاؤری ویکھ کر انگریز گھرا گئے۔ آخری مرتب اُنھوں نے بہت بڑی فوج بلائ اور فینزیکا پٹم پر چرطھائی کردی لینی سلطان اپنی فوج نے کر مقابع پر آیا۔ بہت زور کی الوائی بوئ اس وقت وه گھوڑے پر سوار تھا۔ ہاتھ میں تلوار تھی۔ وہ شبر کی طرح وشمن پر جھیٹا۔ لڑتے لڑتے اس کے ایک ٹولی آکر ملی اور وہ کھوڑے سے گر پڑا اور شہبر ہوگیا ۔ اُس سے ویس کی خاط جان وے وی مگر ہار نہ مانی

یٹپؤٹلطان نے لیے زمانے میں بیٹورکو نوب نزتی دی۔ اچھے اچھے باغ گولئے، مسجدیں بنوایش، منرر بنوائے بڑی بڑی بڑارین نیار کرایش، لوگوں کو نے شے کام برکھانے کا اِنتظام کیا۔ اُسی وقت سے فیسور کے کیٹرے مشہور بُو نے ۔

یبیو سلطان نے اور بھی بھلائی کے بہت سے کام کے اُس کو لین وطن سے بیتی مُجّبت تھی ۔ وہ ایک بہارر سے بہی مُجّبت تھی ۔ وہ ایک بہارر

اِنھیں باتوں کی وجہ سے بیپو سلطان کا نام آج بھی عِزّت سے لِبا جاتا ہے۔

سُلطان= بادشاہ ایک جزیرے ہر واقع ہے= ایک جزیرے پر بسًا ہواہے،

۱۲- کنول

پیول تو سب،ی اچے گئے ہیں . نیکن کوّل کا پیول یانی کا راجا ہے - اِس کا بودا جھیلوں اور تالابوں میں ہوتا ع - چوڑے بوڑے ہے ، لال لال ، سفید سفید اور گلابی كُلُوبِي بِيول كِنْ كُلِ لِكُمْ اللَّهِ بِنْ - كُنُول كَا بِيعُول زر دَبِعِي بيوتا ہے۔ مگر شرخ اور زرو بھول ولے پودے ہمارے مک یں کم ہوتے یا - اس ہاؤ دے کی جو پان یں ہوتی ع - بعة پان پر تيرت رسة بين - جب بارش ، وق ب اور قطرے پانی ہر رہ جاتے بین تو اثبا معلام ہوتا ہے بینے مول ڈھلک رہے ہیں ۔ پاؤوے کے سے یمل پھؤل تو گتا ہی ہے عر ایک چیز اور بھی گتی ہے۔ بنے چھوٹے بھوٹے بتا شے۔ یہ کول گٹا کہلاتا ہے۔ کول گٹا اصل میں اِس پیر کا پھل ہے۔ اس میں بیج ہوتے بیش كُنُول كُمِّةً كو سُكُها كر بِهَارٌ مِن كَيِلِين بَهِي بِنَانَ يَبْنَ- إِن کھیلوں کو لوگ کھی میں تل کر شکر ملاکر کھاتے بین - طووں یں ڈالتے بین اور دواؤں کے کام میں لاتے بین - الل كر كھاؤ تو بہت مرے دار معلوم ہوتا ہے

یہ کو کا پودا ہمارے ملک بیں بہت ہوتا ہوتا ہے ۔ بہوتا ہوتا ہوتا ہوتا ہوتا ہو ۔ بہت ہوتا ہوتا ہو ۔ بہت ہوتا ہوتا ہو ۔ بہت بہوتا ہو ۔ بہت بہوتا ہو گئی ہے ۔ بہت ہوتا ہوں گئی ہے ۔

۵۱- دهوی

اے لو دھوبن آئی ، گھر پیس گھٹی تنی کہ شاہد کی ماں نے کہا: " واہ بی دھوبن! اب کے تو تم نے بہت دیر الگادی۔ اِتوار اِتوار اُٹھ پیر نؤ، منگل دس، آج بُرھ گیارھواں ون ہے۔ گھر بیس کیڑوں کی لادی پڑی ہے بیچ سب بیلے ون ہے۔ گھر بیس کیڑوں کی لادی پڑی ہے بیچ سب بیلے پھر رہے بیش ﷺ

دھوبن " بیوی کیا کرون ، شھارا دھوبی بیمار پراگیا کئ دِن خوب بُخار آیا - اب ذرا اچھا ہُوا تو بھٹی چڑھائی اکبل کام کرنے والی میرا دیور نہ ہوتا تو اب بھی کپڑے نہ

وُهل ياتے

شاہد کی ماں سلیمن زرا گھری اُنزوالو۔ یہاں میرے پاس رکھو۔ زرا کابی اُٹھالو۔ کیڑے والوں۔ بی وھوبن میرے پاس رکھو۔ زرا کابی اُٹھالو۔ کیڑے والوں۔ بی وھوبن اب کی تُمُ نے کیڑے کیئے دھوئے بیش ۔ اے ہے! یہ رشیمی اُرتے کا تو تُم نے کیا حال کیا ہے؟ اور یہ شاہد کے آبا کے کڑتے بی ربیک کیے لگ گیا ؟

وحوبن : آبال بیوی اس وفعه کرد برد میں یہ سب پھ

ننابد کی مال بڑاب کے کئی کپڑے کم بھی تو بیش. ایک مروانہ پاجامہ نہیں ہے۔ شاہد کا کُرُنا نہیں آیا ہے۔ میرا دو پیر فائب سے یہ

وھوبن یہ سب کبڑے گھر بیں بے وقط پراے يَّنَ - بَعْنَى جِرطها ني بهؤل كئي - وو نين دِن مين وُهل جا بيش كيـ میں استری کرے تیار رکھوں گی، سفتے کو سلیمن کے ہاتھ منگوالینا ابھا بیوی جاب کر دیکے . مجھے آج بڑی ضرورت ہے " شاہر کی ماں یہ ہاں ہاں، بیش نے جاب کراپیا ہے۔ دو رؤب رس آنے ، توئے۔ یہ لو تین رؤب باق وام اگلی وُھلائی میں کٹ جائیں گے سلین عمل خاسے سے میلے کیر ہے أتھالاؤ وشیرہ ، شاہر ، احن ، محن ، چلو جلدی سے کیڑے اُار والد ورسيده بين ، زرايه كيرب كس ين ركه دو اور ينك كيرے كابى ميں كھ لو- مجھے جلرى سے بنائر يا چرمان ہے۔ شاہد کے آبا نو بح وفر جلے جائیں گے۔ بی وهوبن و کیمنا اب کے دیر سے لگانا

وھوبن بڑ پرسوں کا جُمع چھوڑ کر اگلے جُمع کو ضرؤر اللہ اللہ کی جُمع کو ضرؤر اللہ کا کا کا اللہ کا اللہ

١١- يناري چرطاو

ہمئے ہوئے پھول کے پاس اور پجکتی ہوئی نناخ پر بنیھ جاؤ ہوا بس کبھی اُڑے بازؤ بلاؤ کبھی صاف چھے میں غوطہ لگاؤ یُوں سی بیناری چڑایو ابھی اور گاؤ پھرک کر اِدھر سے اُدھر دوڑ جاؤ بہک کر اِدھرسے اُدھر پر ہلاؤ چمک کر اِدھر نناخ بر چیجاؤ اُپھل کر کبھی نہے ر پر گُلگناؤ

ئوں رہی پیاری چ^ویلو ابھی اور گاؤ

مجھی برگ تازہ کو مُنْ بیں دباؤ سیمھی کُنّج میں بیٹھ کر کھیٹر کھیٹر کھیٹر لوئ

كبھى گھاس پر لوٹ كرول بُھاؤ كبھى جاكے بيلوں كو جھؤلا جھلاؤ

أون ، مى بيارى چرايو اسمى افرگاؤ

مولوي مخذ المعيل ميرشي

برگ تازه = تازه پخ گنج یه جُمند

ا خوش حال کسان تن رُست مردور

گاندهی جی کا خیال تھا کہ اگر ہم شراب نہ یعیں تو ہماری مالی حالت ورست ہو سکتی ہے۔ اِس لیے وہ شراب کو بهت برًا سمحة تح يكن زرايه تو بتايية مالى حالت ورُست ہونے کا مطلب آپ کیا سمجھ بین ۔ بات یہ ہے کہ ہرآدی کو زنرہ رہے کے لیے کھ چیزوں کی حزورت ہوتی ہے اور وہ ان خرورتوں کو بورا کرنے کے لیے تجارت یا محنت مردؤری کے ذریعے رؤیبے کاتا ہے - ہم میں سے اکثر آدی غریب بین نینی وہ جتنا رؤیہ کاتے ہیں۔ اِن کا خرج اس سے زماوہ بن اب اگر وه اس رؤیے کا زیاوه حِصّر منزاب یاکسی وؤسری چیز میں خرج کردیں تو اِس کا مطلب یہ ہوگا کہ وہ اپنا سی بنیں اپنے بیوی بیوں کا پبیٹ کاٹ رہے بیں جس سے ے ایک وقت کی روئی چل سکتی ہے ۔ اُس پیٹے کو اِس طرح بكار أول وينا كال تك شيك بن بو لوك اينا پيير بكار خرج گرتے بین آن کی مالی حالت کھی مھیک بنیں ہوتی کمانوں اور مزدوروں کو فاص طورے اس مون سے وؤر رہنا چاہیئے۔ منا سے جو آدی لگا تار چالیس ون نشہ کرے وہ پھر اُسے مشکل ہی سے چھوڑ سکتا ہے ۔ پھر وہ چوری کرے یا نزض اُدھارلے نننے کے لِئے پیشہ صرور نِکالے گا۔

آپ جانے ہیں کسان ہم سب لوگوں کے لیے انائ اگاتے ہیں اور مز دور ہمارے لیے بل چلاتے ہیں، شکر بنائے ہیں، کار خانوں میں کام کرتے ہیں ۔ اِن کی تنخواہیں تخوری اور کئنے ہڑے ہوئے ہیں ۔ اگر وہ اپنا پیشہ بے کار اڑا میں تو اِن کے گروں کا گزارہ مُشکل ہوجائے ۔ اچھے کِسان مزدؤر ایبا بہیں کرتے ایبا بہیں کرتے ایبا بہیں کرتے ایسان مزدؤر

گاندھی جی چاہے تھے کہ ہندؤستان کا ہر آدی خوش عال تندرُست اور مال دار سے اور اپنے کام میں جی لگائے کا فندھی جی نے اس جیے نئے کی روک تھام پر اتنا زور دِیا نظا۔ گانگریس نے جب محومت کی ہاگ ڈور سنبھالی تو مہاتماجی کی باتوں پر خاص طور پر زور دیا۔

ہماری مُحکومت نے اِس کے لیے دو ترکیبی برکالی بیث ایک تو ننے کی چیزوں کو باہر سے ننگوانا بند کردیا ہے اور دلیسی نثراب پر بھی پابندی لگادی ہے ۔ دؤسرے شرابیوں کو شدھارنے کی کوسٹس کی جانی ہے۔ صرف سجھانے بہجائے شدھارنے کی کوسٹسٹ کی جانی ہے۔ صرف سجھانے بہجائے سے بنیں بلکہ ان کے لیے تفریح کا نے بجانے اور کھیل کود کا اِنتظام بھی کیا جا تا ہے ۔ اِس کے علاوہ اِن کی سے

عادتوں کو رفتہ رفتہ چھڑانے کے لیے ایشی چیزوں کی دؤکانیں بھی کھلوائیں بین جو پینے میں مزیدار بین اور نشہ نہیں لائیں۔ یہی وجہ ہے کہ ہمارے کیان اب پہلے سے زیادہ خوش عال بیش۔ اور مزدور کی تندری روز بہتر ہورہی ہے۔ ایک دِن یہی کیان اور مزدور دیں کو جنت کا مؤنہ بنا دیں گے۔

گورست ہے گھیک اِس کے علاوہ ہے اس کے سوا روز ہروز ہے دن برن - رفتہ رفتہ - لگا تار پشجارت ہے بیو پار

AND A CLASS OF SHAPE

۱۰-ماح محل

تا ہے کل وُنیا بھر کی ایکی سے بھی عارتوں کا سراج ہے۔ اس کے دکھنے سے دِل پر فاص اثر ہوتا ہے۔ ہوتے دیس کی بی بیوں کے لیے تاج وہ چیز ہے کہ اس کے ہوتے ساری وُنیا کی عور توں بی اِن کا سر اوُنیا رہے گا ہاری وُنیا کی عور توں بی اِن کا سر اوُنیا رہے گا ہوں اپنی چہنے منہور با دِشاہ شاہ جہاں ہے اپنی چہنے ملکہ ارجمند بانو یا تمتاز کی جانب کوئی ایک بیل کے فاصلے یہ اگرہ چھاؤٹی سے اُنٹر کی جانب کوئی ایک بیل کے فاصلے یہ اگرہ چھاؤٹی سے اُنٹر کی جانب کوئی ایک بیل کے فاصلے یہ اگرہ چھاؤٹی سے اُنٹر کی جانب کوئی ایک بیل کے فاصلے ہوں کے فاصلے ہوں کے فاصلے ہوں کوئی ایک بیل کے فاصلے ہوں کوئی کے کہ کوئی ایک بیل کے فاصلے ہوں کوئی ایک ہوں کوئی کے کوئی کی کوئی کے کہ کوئی کے کوئی کے کوئی کے کوئی کوئی کے کوئی کوئی کے کوئی کے

پر جنا کے کنارے پر ہے

تاج محل مے پوری سنگ مرم کے ایک او پنج سے مان سنجوں چہونڑے پر بیچوں سیج کھوا ہے ۔ چبؤ ترے کے چاروں کونوں پر بڑے ہی سڑول اور نفیس و نازک مینار بیش گنند سلے مورت اور خوش نما جالی دار مرمری بیتقر کے اندر نناہ جاں اور ممتاز محل کی قبریں بنی بیش

تاج محل کی تعمیر کے لیے بمندؤشان ہی میں ہمیں مہیں بہیں بکہ تام ایشیا سے معار ننگ نزاش وغیرہ بڑے بڑے کاری گر اکھٹے کے گئے ۔ اِس کا نقشہ اُستار عیسیٰ نامی نے بنایا تھا - جو

کونی مُرک یا شیرازی تھا۔ وس برس کی لگاتار اور زبردست محنت سے شکالیہ بیں کام ختم ہنوا اور ایک کروٹر بیچاسی لاکھ رؤبیے خرج آیا۔ ویس دیس سے قیمتی بیٹھر اور مسالے اکھٹا کے گئے۔ اِس طرح سے دور دور سے قیمتی جواجرات لا لاکر بڑے خوب صورت اور مؤدوں طریقے سے جڑھے گئے اور سولے بڑے دوانے لگائے گئے۔

اندرؤن حصے ہیں وہ بیل ہوئے اور پھول پتیاں بن بین کہ وُنیا کے پروے پر یہ منوے کہیں اور بنیں مطح یہ یہ سبب کام چیمی پتھروں اور جواہرات اور سیب وغیرہ سے کہا گیا ہے۔ باہرسے اِس کی خوبھورتی اور دِل کشی ایشی ہے کہ دیکھے والے کے دِل پرنقش جم کر رہ جاتا ہے۔ بین پار سے تاج کو دیکھو تو کچھ اور بی نطف جمت کہ میں برا ہی مرہ باتا ہے۔ خوا یا ندنی دات یں اس کی سیر بڑا ہی مرہ دیتی ہے۔ خوا یا ندنی دات یں اس کی سیر بڑا ہی مرہ دیتی ہے۔ خوا یا ندنی دات یں اس کی سیر بڑا ہی مرہ اور اِس سلطے یں وہاں مبلا سالگ جاتا ہے۔ باہر کے اور اِس سلطے یں وہاں مبلا سالگ جاتا ہے۔ باہر کے اور اِس سلطے یں وہاں مبلا سالگ جاتا ہے۔ باہر کے دولوں کے لیے دارج یا اکتوبر کا جمینہ تاج کی سیر کے لیے

مناسب ہونا ہے

سرناج = تاج سر - آقا

يا د گار نام نام يادريخوال چيز

تعمیر کرانا = بنوانا جانب = سمن - اور معمار = رعارت بنانے والا - راج نگ نزاش = بغر کا شے والا - بقر کا کام بنا سے والا -مؤزؤں = مناسب - طبیک

19- دهی

اج بادل خوب برسا اور برس کرکھل گبا
گُلتاں کی ڈالی پہتے پت وسل گیا بادل کا پردہ مل گئ کرنوں کو راہ

ملطنت پر اپنی پھر خورشید نے ڈالی رنگاہ

وے رہی ہے لطف کیا سرسز پیڑوں کی قطار

اور ہری شاخوں پہ ہے رگیین پھولوں کی بہار

و نکھنا وہ کبا ایخبما ہے ارب وہ وہ کینا

اسماں پر آن درخوں سے برے وہ وہ کینا

بسے یہ قدرت کا نظارہ اور کیا ہے اسے

بسے یہ قدرت کا نظارہ اور کیا ہے اسے

بسے یہ جی جا ہتا ہے وکیسے رہے اسے

بس یہی جی چا ہتا ہے وکیسے رہے اسے

و کیور دکیو اب می جان سے یہ پناری دھنک د کیفی ہی و کیف گم ہو گئی ساری دھنک پھر ہوا بیں بل گئی وہ سب کی سب کچھ کھی ہنیں آگامیس ال ال کریز دکھیو اگڑ اب کچھ کھی ہنیں

حفيظ جالندهري

٠٠- مسوق

س ش ص ض ه ح خ ق ط ظ - ا ع غ

"رہنا بِری کے ذریعے آردؤ میں ہم نے یہ بات بتادی ہے کہ آردؤ میں چند حرف لیسے بین بِری کے دریعے اردؤ میں ہم نے یہ بات بتادی ہے کہ آردؤ میں چند حرف لیسے بین بِری کا واز ایک ہے مگر شکلیں الگ الگ بین والل کھنے بیر سے کی کون سا حرف کھیں واس کا علاج تو کھنے بیر سے کی مشق ہے بہم بھی وان حرفوں کی مشق کے لیے ایک خاص سبق یہاں ویا گیا ہے "

سركشي

ایک روز بدن کے تمام اعفاء مُتفِق ہوکر مِعدے کا گِلاکرنے

گے کہ ہم کماتے کماتے نفک جاتے بین اور یہ بِکھٹو مِعدہ نفت ہیں
ہماری کمائ ہضم کرجاتا ہے۔ آ بخرسب نے اس کی اِطاعت سے کرشی
کی یا تو نے رفتار ہا تھوں نے کا روبار ترک کیا۔ آنکھوں نے بھارت
سے آنکھ پُڑائی ، کان ساعت سے بے بہرہ ، ہو گے ہم ناک نے سونگھنا
د بان نے چکھنا چھوٹ دیا

جب اعضاء کی نا فرمانی اس صدکو پُنٹی کہ ہر ایک نے اپنا اپنا کام بند کردیا تو غربیب مِعرے کو غذا کہاں سے تیسر ہوتی۔ رکھ عصے تک بے آب و دانہ صبر کیے پڑا رہا۔ آ بڑکار ہر ایک عفو کو ایزا بہنجی اور آن کی طاقت زائل ہونے گئی۔ ہاتھ کف افسوس ملنے اور پائو ایڑیاں رگڑنے گئے۔ آئکھوں نے روناجھیئِکنا تروع کرنےا۔ کان بھی مارے شعف کے شن ہو گئے۔ ناک کا بھی ناک میں دم آگیا زبان کا بولنا بند ہوگیا۔

مِعدے ہے کہا او میرے مدد گارو اب تم کو معلوم ہوا کہ جو کہ تخفاری مخنت ومشقت کی برولت تجھ کو پہنچا نفا وہ رائیگاں نہیں جاتا تھا بلکہ خود تھارے ہی صُرف بیں آتا تھا جو غذا کم مجھ کو تولئے کرتے تھے بیں اِس کو ہفتم کرتا اور جو خون اُس سے بیما ہوتا وہ رگوں کے وسیلے سے گل اعفاء بیں حصہ رسد تقییم ہوجاتا تھا۔ اِسی سے شماری سب کی پرورش ہونی تھی

جب کہ اعضاء نے اپنی حما فت اور سرکشی کا نتیجہ صاف صاف وکھ بیا تو بہت نادم ہوئے افر تو ہ کی کہ آئندہ ایسی خطاء مذ کریں کے ۔ اسی طرح جو نا دان اپنے تم بیوں افر آقا وی کی اطاعت و غیر مست کو جیم سجھتے بیش وہ انجام کار ایزار باتے بیش اور نقصان اُٹھاتے بیش اور نیج اعضاء یا مینوں مینوں بیا ہور کی اور مینوں بیا ہور کی اور کی مینوں بیا ہور کی میں میں میں میں کئی افسوس کھنا ہے انہوں کی اِن اور شکلیوں میں کئی افسوس کھنا ہے انہوں کی اِن اور شکلیوں میں کئی افسوس کھنا ہے انہوں کی اِن اور شکلیوں میں کا میں کا میں کا میں کئی کی طاقت کی دری ایزاد شکلیوں بھارت ہو کیکھنے کی طاقت کی دری ایزاد شکلیوں بھارت ہوگئے کے طاقت کی دری ایزاد شکلیوں بھارت ہوگئے کی طاقت کی دری ایزاد شکلیوں بھارت ہوگئے کی طاقت

١٤-ورتواس

(1)

بخدمت جناب پرنپل صاحب

اکتا دول کا مدرسہ

جامع يتير إسلابي

مُحرّم - تسليم

عرض ہے کہ ایک ضروری کام کی وج سے بن کل اربیل التن کو مدرسے حاضرنہ ہو سکوں گا

آپ سے درخواست بے کہ ایک دِن کی اِتّفاقیہ

وخصت منظؤر فرمايش

عِنابت كا مُشكريه

رنیازمنز به رنیازمنز به عبدالله ولی بخش فادری میمیرر میراند میرر و ایرال کشنهٔ بخدمت بناب كشنرصاحب محكم تشخيص ووسؤلي دتی میونیل کارپوریش دیلی

مكرمي ونسليم آب کا نوٹش نمبر ۲۰۱۶ مورخ هراپریل ۱۱ بابن ٹیکس مکان وصول ہوا

اس سلط میں وون سے کہ میں نے مکان میں کوئی کرہ بنیں بڑھایا جئیا کہ نوٹس میں کہا گیا ہے۔ اس لیے اس کائیس ن برهایا جائے۔ اُمیدے که درخواست تبول فرمائ جائے گی انتکریہ

فادم - دام سون ملك مكان تمتي و أوكهل نني رولي عهد

١١ ايريل كن

فادم = فدمت گار ـ نوکر تنتيه - مُقرر كرنا محكم وليارشنك وكيري مكرمى و ميرا وبركرم كرا والے -میرے بہریان

در خواست عرضی بخرمت: فدمت يس مُحرم : روزت والا بُزرگ تسلیم: بندگی - آداب وخصت : جَمِينَ

فِنا بت بربان

۲۲-مؤتم بهار

وہ کھل کھل کے کلیاں جیکے لگیں درخوں کی صورت بدلنے لگی وہ پھوئے ہزاروں طرح کے گلاب كِعلى جاندني باغ مين جابجا وه لاله کیلا وه کھلی کامنی كھلے بھول لاكھوں طرح كے تمام وِکھاتی ہیں تُدرت کی صناعِیاں وہ جیتوں سے جھکنے لگی ٹہنیاں اناراینا جوبن وکھائے گے لكتى بين أمول بين وه كيربان آمنگوں یہ ہے جوش رساک بہار

نی بتیاں وہ چکنے لگیں وه شاخوں میں کوٹیل نکلنے گی کھلے بھول بیلے کے وہ لاجواب وه پیول چنیلی ، رکھ لا مو گر ا وه پیولی نواری ، کھی کانی يه فِطرت كا بيخ فُرك في إنتظام وه بگھؤلول پر اُڑنی ہو بی تابال كرين يُحولون برنشهركي مكتميان وہ گدرائے بھل رنگ لانے گے وه انگور وه رس تجری لیجیال وِکھاتا ہے پھؤلوں کا جوہن بہار

ین اِس شارخ تدرت به هردم نیار وکھائی ہمیں جس نے کیا کیا بہار

صنّاعی: کارنگری نیخهاور

فطرت تدرت

۲۲- میرانیدن

میرے ول میں والید کی بے صر عظمت تھی ۔ مین انھیں قُوّت ، بِنَمْت اوْرِ عَقَل كا يُبتلا جانتا نفاء اوْر حِقْنِ أوى بين يِ ویکھے تھے سب سے برتر سمحقا تھا۔ مُجھے آرزو تھی کہ بیش برطا ہوکران جیسا بن جاؤں ۔ مگر عظمت اور محبت کے ساتھ ساتھ میر دِل بیں اِن کا در بھی بنیھا ہُوا تھا۔ بین نے اِنھیں نوکروں وغرہ برخفا بوت ويكيا تفا إس وفت وه مُح بهت دراؤك معاؤم ہوتے تھے . اور بین خون سے اور کبھی کبھی طیش سے کا نیے لگتا تھا کہ نوکروں کے ماتھ اینا برتاؤ کیا جاتا ہے۔ اِن کا غُطّہ واقعی بہت بڑا تھا۔ اور بین نے اس وقت کیا اس کے بعر بھی اس مكركا غُمَّة بنين ديكها - مكريه الجمَّا تها كر ان ين ظافت كا مادّہ تھا آور اِراوے کے مغبوط تھے۔ اس بلیے عام طور پر ضبط سے کام بنتے تھے۔ عُرے ساتھ ساتھ یہ ضبط کی قُوّت بڑ صتی گئی اور آخر عربی شایر سی انیش بہلا ساغمت آیا ہو مجھے بیکین کی جو سب سے بہلی بائٹر یاد بیٹ اِن میں والبركا عُقة بمي ہے. اس ليے كريه ، فحد پر ،سي نازِل بنوا تھا۔ يُن ران دِنوں كونى پائ چھ سال كا تھا۔ والد كى ميز پر دو قلم (فاونیٹین پن) رکھے ہوئے دیکھ کر میرا دِل للجا گیا۔ یش نے کہا
ایک ساتھ دو فلموں کی صرفرت ہوسے سے دی اس لیے
ایک بین نے لیا۔ بعد میں جب یش نے دیکھا کہ اس قلم کی
زور شور سے تلاش ہور،ی ہے تو بیش بہت ڈرا مگریٹ نے
اقرار بہیں کیا۔ آخر بیت چل گیا اور میرے بُرم کا ڈھنڈورا پیٹ
گیا۔ والِد بے عرضا ہؤئے اور میری خوب مرمّت کی۔ یش درد کی
تکلیف اور ذِلّت کے رخ سے بے تاب بیرھا ماں کے پاس پہنچا۔
اور کئ روز تک میرے چھوٹے سے وکھتے ہوئے جم پر طرح طرح
کے روغوں کی مائش ہون وی دی

بنیدا ہوئی ہو۔ غالبًا میرا ہمی دِفیال تھا کہ سزاتھی تو بالکل بجامگر بنیدا ہوئی ہو۔ غالبًا میرا ہمی دِفیال تھا کہ سزاتھی تو بالکل بجامگر صد سے بڑھ گئی تھی۔ لیکن باوجو و اس کے میرے دِل یں ان کی عظمت اُور مُجّبت اسی طرح قائم رہی۔ اب میں اِن سے ڈرنے بھی کیا۔ البتہ والدہ سے بالکل ہنیں ڈرتا تھا۔ کیونکہ یہ معلوم تھا کہا ہے میں گئے۔ اون کی بے اندازہ مُجّبت کی وج سے بین اِن کے ساتھ کسی قدر تکم کا برتاؤ کرنے لگا منتا کی وج سے بین اِن کے ساتھ کسی قدر تکم کا برتاؤ کرنے لگا شا۔ والبدسے تو کبھی کبھی مِننا ہوتا تھا اور اِن کا ہم وقت کا ساتھ شا۔ والبدسے تو کبھی کبھی مِننا ہوتا تھا اور اِن کا ہم وقت کا ساتھ سے اس سِیے اِن سے بین زیادہ مانوں سے کہ دیا کرتا تھا۔ وہ چھریرے جو والبد سے کبھی مذ کہنا نظا اِن سے کہ دیا کرتا تھا۔ وہ چھریرے

سے جم آور چھوٹے سے قد کی تھیں ۔ آور تقورے دِن میں میرا قد اِن کے لگ بھگ جا بہنچا ۔ اِس بِے میرے دِل میں عُرے فرق کا احماس کم ہوگیا ۔ اور وہ مجھے لینے برابر کی معلوم ہونے گئیں ۔ مجھ اِن کی بیاری صورت اور نتھے مئے ہاتھ باول بہت اِنچے گئے تھے ۔ وہ ایک نوارد کشمیری گھرانے کی تھیں ۔ جے اپنا وطن جھوڑے دو ایک نوارد کشمیری گھرانے کی تھیں ۔ جے اپنا وطن جھوڑے دو ایک گوری تھیں

میرے وؤسرے ہم راز والدے ایک مُحِرِر مُنتی مُبارک علی تھے۔ وہ برایوں کے ایک آسؤوہ فاندان سے تھے کھملے کی شورش بیں أن كا گھر أجر گيا۔ اور انگريزوں كى فوج كے إن کے خاندان کو قریب قریب ختم کر دیا تھا اؤر وہ سب سے خفوعاً بیوں سے بڑی زی سے پیش آتے تھے۔ میرے لیے ان کا دامن جانا بؤجها امن كالشِهكانا خفاء جب كبي الداس يا پريتان بوزا إن ہی کے یاس پنجیا ان کی شاندار شفید ڈاڑھی دیکھ کر میں بچین کی سادگی سے یہ سمجھتا تھا کہ یہ پُرانے وقوں کے آدی بیش جنیں کئی نجا کی باتیں بادین وان کی گود میں بنید کر جیرت سے المجیس پھیلائے بین ان کی بے نشار کہا نیوں بیں سے الف بیلی آور دؤسری کِتابوں کے قصے یا محصنۂ اور شفنہ کے حالات سُنا کرنا تھا۔ منتی جی کا اِنتقال بہت برسوں بعد میری جوانی کے زمانے میں ، ٹوا۔ وہ مجھے اب یک یار بین اور اِن

کی یا د کو بین دِل جان سے عن پیز رکھتا ہوئی (پنٹٹ جواہر لال نہرؤ) دُاکٹر شیر عالم جی پین

والبدء باپ عظمت = بران Set : 77. طيش ۽ غُقته ظرافت ۽ دِل گلي منزاپن مُحرّر ۽ مِلَهِ والا - وکيل کامُنثي شورش يا بلوه - هنگامه نۇوارد ينا نيا آيائبوا نازِل ہونا ۽ اترنا سم راز یا دادون تحکم یا کیسی پر حکومت کرنا ۔ زور چپلانا ورگزر یا معانی آسوده: مطمئ -

۲۲-کتاریاجاتے

رات کے بارہ نے ہاے رام! اب تو چھیریں کہیں بلنے کی جگہ بنیں رہی۔ رای ایشا جان بڑتا ہے کہ رات بھر بنٹھے بیٹھے کے گی واسا پر اِن بیوں کو کیا کریں ؟ اِن کے سونے کے لیے تو رای كوني محور شمكانا بونا يابي لاو ایک کو ہیں دے دو واسا كب تك لا وك ربو م ؟ رامی جب تک ہوسکے۔ آخر کیا کیا جائے واسا دو نج رات ہم سے تو اب یہ لؤنڈا ہیں سبھلتا تو لاؤ لے مھی دے دو لاقى تُم تو پھنے کو پہلے سے ہی لیے ہو واسا رامي تُم بھی تو تھک گئ ہوگی 119 يال ، بركيا كيا جائے 112

یار بح صبح ذرا آگ جلائین تو چلم بیتا واسا كثي جلاؤل ؟ رامي لاو پول کو مجھ دے دو واسا إِن كو نے كركيا كروگے ؟ دِيا بجھ كيا ، دِيا سلائي سِل رامي کئی، أیلے بھیگ گئے يراتما إپيے كو تو ايئے ہى سے . في جا ہما ہے ـ واسا ہاں! پرکیا کیا جائے رافي یا کی جے صبی كال جارى بو؟ رامی بیل کو نا ند پر لگادفل، آج کھیت جو تنا سے نا واسا پر ایک بیل سے کیا ہوگا رامی نہیں مکھوسے بھی اس کا بیل مانگا ہے واسا. پر یہ دؤسروں کے بیل کے سمارے کیتی ہوچکی را في:-ہاں پر کیا کیا جائے واسا سات نے قبع ابھی یہ بل بیل لے کر اسے سویرے کیے اولے ؟ 31 كيا كرتاء ايك بوتفائ كعيت بلنا تفاكه صلح وار آ كيء 419 پر اِن کا لگان نو دے چکے ہیں رامي

باں! پراتھوں سے کہا ہمار نذرانہ لاور واسا تو اس سے پھونی کوری بھی نہیں 31 یمی تویں نے کہا تھا۔ بس انھوں نے کھیت سے داسا نكال ديا يمركيا ركيا جائے۔ رامي نو نج دن رامی کہا کیا جاجن سے ؟ وہ کہتے بین کہ جب تک پچھلا رو پیے والیں مذکرو کے واسا ہم ایک پائی اُوھار نہ ویں گے۔ اِن کے تو کل چار ،ی روپے چا ہیے تھے اور انھیں رامي سب ملاکر پندرہ تین اعقارہ روپے وے یکے بین یہ ہی بین نے بھی کہا پر وہ کتے بین یہ سب واسا سؤو ہُوا ارے رام رے بڑا بے ایکان ہے راحي ہاں برہ ہے بر اب تو یہ سوچٹ سے کہ کیا واسا كيا جائ گیارہ نے دن كها كيا زين وارس ؟ رامي اُنھوں نے کہا کہ میں ریاست کے ملازموں کے خِلاف واسا

```
ابک بات نه سنؤل گا
تو تُمْ سے یہ نہا ہم لگان دیتے بین ہم کو لیے
                                                    رامي
سے کھیت جو تنے سے مذ روکا جائے۔ بنیں تو ہم بھؤکے
                                    مر جایش کے
                           سب وگھ کہا
                                                   واسا
                               بھر وہ کیا ہولے ؟
                                                    رامي
اُنھوں نے رکھائی سے کہا۔ ضلع دار کا حق نہ دو کے تو وہ
                                                    واسا
                    متھیں کھیت میں گھنے نہ وے گا
        تو تُم نے کہا بنیں کھیت اِن کا بنیں ہمارا ہے
                                                   31
      میں زمیندارے لوے ہنیں اپنی بنیا ننانے گیا تھا
                                                    واسا
                        ارے تو تم نے کھے کہا بھی ؟
                                                    31,
   ہاں میں نے خوشامدے ہاتھ جوڑ کرسب کھے کہا تھا
                                                    داما
                                                    رامي
اُنھوں نے کہا جب تم ضلع داروں ، کا زندوں کو خوش بنیں
                                                    داسا
  رکھو گے تو بہی ہوگا۔ بھوکے موگے تو بجؤری ہے
                                آخر کیا کیا جائے
                      باره بي ون
                       ا آے رؤیے جاجن سے ؟
                                                   رامي
                                     ہاں کے آیا
                                                   داسا
```

كتنا دِيا أس لے ؟ رای دس رویے! واسا ایں دس روپے ۔ ارب چار چیزیں تیں ، بتاجی تو مجھ سے رامی کتے تھے کہ یورے بیاس روپے گلے بین اِن میں ير جاجن نے كہا ين وس ،ى ين لؤل كا واسا ہائے بھگوان میں کھ گئ رامي اب رونی کیوں ہو۔ تونے ہی تو دیا تھا واسا يرين نے تو اس ليے اپنے آپ کو بچکايا تھا کہ جہاجن رافي کا جباب بچکا دوگے۔ ضلع دار کو نذرانہ ووگے اور ایک بیل مول تو کے تو جار جاجن کو دے کر اس کا حاب بچکاریا ۔ وو داسا فِنلع وار کو دے دیئے اب چار ،ی روبے نیج پیش ۔ مجھے ہنیں جا ہے متھارا روپیے تم میرا گہنا لادو۔ رامي ير اب جاجن كے ياس جاؤل تو وہ وُصكار وے گا۔ واسا تواب بیل کہاں سے آئے گا۔ ہائے تھبتی کیسے ہوگی رامي كاكيا جائے؟ دؤسرے دِن دوپرکو کنوں جی یہ چوری تم نے کی واروغ بنیں مالِک

واروغه، أثم تو اس كام بين برات بنيس جان برت، واسا بنین مالک واروغ، و تُم كو بيٹھ بٹھائے كبا سؤھى كر جاجن كے گھر بس بھائد ہجور! اُنھوں نے ہماری ہریا کا سب گہنا یا تا نے لیا اور بیاس کے مال کے وس دیے واروغم تو تم يخ بيجا سي كيون؟ كيّ كرتا مالك، ضلع داركو نذانه دينا تها داسا تو تم نے چاہا رویے بھی نے لو اور کھنے بھی پڑالو واروغ ہیں سرکار، ہریانے سب چیز بیل مول لیے کو دی تھی داسا رونے گی، بیل لاؤ بنیں تومیرا گہنا لاؤ۔ داروغ ارے بیوقون، تو اب تو نه زیور علے که رویے سے اور نائل بلا اگر کچه بلا تو مُفت کی جبل

(على عبّاس شيبنى)

نذرلین تا بھینٹ ضلع دار یہ گانو کا کارندہ جو تحصیل وصول کرتا ہے

۲۵- بائیسکل

سرکتی ہوئی سرسرات ہوئی لیکتی ہوئی مقرمقراق ہوئی

کیں کوندق آور کیتی ہوئ کہیں اچتی آور بتھرکتی ہوئی

بجوموں میں جاتی سات ، سؤتی

برآفت بي بياني بولي

کہیں ملتے ملتے جھجھکتی ہوئی کہیں جلتے چلتے اُچکتی ہوئی

ہیں بیل کے مُنّہ پہچڑھنی ہوگا

كبير مل سائع برهى بؤلي

ہؤکورگوں میں پھرات ہؤئ پینے کے موق لٹاق ہؤئ

ہواٹھنڈی ٹھنڈی چلاتہوٰئ

طبیعت کے غینے کھلات ہوئ

بِهِلَاق بُوْلَ بِهِلَاق بُوْلَ

چىكتى بۇئى جگىگان بۇئ

طرارے بھی بن کے بھرتی ہوئی اچھلتی ہوئی جست کرتی ہوئی

کیں جا کے رکتی اٹکتی ہوئی کسی جا چگتی مطکتی ہوئی

> زمیں سے چٹتی لیٹتی ہوئی ہوا میں اللتی کیلٹتی ہوئی

ہیں بُرتے رُکے سنبھلتی ہوئی ہیں رکتے رکتے نکلتی ہوئی

جھِتى، ﴿ يَتْنَى ، رَبِّنَى ، وَيُ

سُلِهِ كُركِينٍ بِهِ الْجَمْتَى بُوْنَ الْمِهِ كُركِينِ بِهِ سُلِمِقَى بُوْنَ الْمِهِ كُركِينِ بِهِ سُلِمِقَى بُوْنَ

بهت ہو عکی برق سے نوک جھونک بس اب مائیکل اپنی شہبازروک

(عبُرَالغفورخان شهبان)

برق یه زیجل

ہنجوم = بھیڑبھاڑ آفت و بلا - دشواری

لبوء خون

طراره م پؤکری

bi - 44

(عِصمت بْخِتان كا خط ولى سشابهال يؤرى كے نام)

(1)

۲۰ فروری ۱۸ ۲۰

۳- انڈس کورٹ ۸- روڈ چرچ گیٹ بمبئی- ک

ولی صاحب۔ کچھ کام کچھ بے کاری کی فکر۔ جینے ہی مجلت بلی فولاً سودہ بھیجوں گی۔ بڑے چگر میں ہؤں۔ کام ہے بھی اور بنیں بھی۔ کچھ معلق سا معاملہ ہے۔ بیندرہ دِن کی مہلت مل جائے بس۔

> والسلام عِصمت بُیغتانی *م*

(فِکر تونسوی کا خط عبراللہ ولی بخش قادری کے نام)

۱۸/۲۳ موتی نگر نئی د، ملی ع<u>ه</u>ا

العالى عالى العالى عالى العالى العالى

یہ کیتی سترت کی بات ہے کہ میری بنیاری بیٹی رانی بھاٹیہ اؤر عزیر پرکاش آ ہنوجہ زِندگی کے ایک خوب صورت موٹر پراکھٹے ہو رہے بیش۔ بہاں سے وہ ایک نئی منزل کی طرف آ گے برطھیں گے ایک دؤسرے کا ہاتھ تھامے ہؤئے۔

اِس موڈ پر ہم سب اکھے ہوکر ان دونوں کو آشیرواد دیں عزیز برکاش اور اِس کے سمبندھی سااستمبر شام کو آگھ بجے آبیئ گے

آب

ہم ان کا پیار بھرا سواگت کریں تو ۔۔۔۔۔۔ آپ اُرہے بین ! فکر تولنوی (میرانفقار شربولی کا خط پلے: نناگر دہر نندکے نام)
اُسٹا دوں کا مدرسہ
جامِعہ نگر نئی وہلی۔ ۲۵
جامِعہ نگر نئی وہلی۔ ۲۵
مرارا پروبل الحقالۂ میران ہر نند

ٹربنیک کا کے چھوڑے ایک سال ہوگیاہے: کہتے کیا حال ہے؟ جامعہ یا و آئ ہے ؟ غالب کے شعر برائے شوق سے کھے تھے۔ کھی گنگناتے بھی ہو ؟ کبھی مجھی تھورے سے ساتھی جماعت یں گر بر کرتے بین یا بے توج رہتے بین توین چہ ، مو جاتا بؤل . جب سُكؤن كى حالت يس سوجيًا بؤل تو ايبا معلوم بوتابيع كرسب شاكرداج ين - برنند! جب شاكردول كے الجے مفايين وعَلِمْنا بَوْلِ توجي خُوش بوجاتا ہے - آب بھی اپنی جماعت کو ایسا ہی یابٹن کے۔ مگر شرط یہ سے کہ میری طرح صبرسے کام لیں۔ اوْر مُنا يِعَ لِين مدرس ين يُحْد بِعُول بُعلواري لكاني بي ؟ الله كُلُرار بنايا ہے۔جباب سب ليے ليے مدرس كو گُرُار بنایئ گے تو سال دیش گُرُار بن جائے گا۔ جی ہاں بنالات کے اعتبار سے بھی

ین نے الودائی علے کے دِن جاعت میں یہ شعبر

لكهوابا تفا

اب توجاتے بیش جامعہ سے نند وپھر ملیں گے اگر فدا لایا باں بھانی سلتے رہنا

تھارا بھلائی چلہنے والا عبدُ الغفّار مُدہو کی

(N)

ٹیلیفون ۱۹۱۰۳۲

تاركا پته اِكادي

مكتبه جابعه لميثير

رجِطررد أفِن: جامع نگرنی والی ۲۵

والرنمرز الالامه

تاريخ - وابرل كنه

ىنېرخرىدارى: ۲۱

مری ہیم آپ کی مُترتِ خریداری اپریل کے پرچ کے ساتھ خم ہورہی ہے تجھے آپ کی علم دوتی سے اُمید بے کہ آپ برستور کِناب نما کی خریداری فواتے رہیں گے۔ براہ کرم مبلغ ۳ رؤپے چندہ سال آئیندہ بزریعہ می اُرڈر ارسال فراکر ممنون فرملیتے اگر نوا نواسۃ کِسی وجہ بزریعہ می اُرڈر ارسال فراکر ممنون فرملیتے اگر نوا نواسۃ کِسی وجہ سے آپ کو پرچ کی خریداری منظور نہیں ہے تو براہ کرم ۳۰ اپریل سے آپ کو پرچ کی خریداری منظور نہیں ہے تو براہ کرم ۳۰ اپریل سے آپ کو پرچ کی خریداری منظور نہیں ہے تو براہ کرم میں آپ کا کوئی جواب نہ آیا تو اِس کو رضامندی پرممؤل کرکے می کا پرچ بنرریعے جواب نہ آیا تو اِس کو رضامندی پرممؤل کرکے می کا پرچ بنرریعے وی پی مالیتی م روپے ، پینے إرسالِ خدمت کیا جائے گا اُمید ہے کہ آپ لِے وصول فرما بٹن کے اور دفتر کو زیر بار ہونے نہ دیں گے یشکریہ جولی شاہیجاں پوری مینجر

واله : بنا. نشان برستور = عادت كے مطابق بيجيا انداز ت براه كرم = هربان فراكر فدانخواسة = فرا ذكر كرائيا بو محؤل كرنا = گان كرنا ارسال كرنا = روان كرنا بين فريربار كرنا = بوجه دالن به بوجه دوب پينه كا بويا اصان كا فريربار كرنا = بوجه دالا به بوجه دوب پينه كا بويا اصان كا

٢٠-خطك القاب وأداب

آخیں لکھنے والے کے نام سے اؤپر	اگرآپ وُرت کولیفیں	اگرآپمردکو بکھیں		
تھارا پچایا بڑا بھائ وغیث رہ یا تھارا بھلائ چاہنے والا یا دُعا گو		عزیزی (یااس کے ساتھ نام) دُعا یا اَشیر واد یا خوکشس رہو		1
آپ کا ا آپ کی	نام صاحبه پناری کی سلام پا	معاق صاحب یا محتی یا نام صاحب سلام یا نست	1	-
نیاز سند	مُحت رمه با اتمی جان یا آباجان آبھی دیدی وغیرہ سلام یا آداب یا نستے	ابًا جان يا	بردوں کریے	۳

41

القاب وآواب القاب اور اداب

القاب و جع خط لکھا جائے اس کی تعربی معط سروع کرنے کا ایک یا کئی لفظ اواب و جوت کے لفظ جو خطول بیں القاب کے بعد کھے جائے بین

اداب دروت عصفه بو عول بن هام

عزيزى و ميرع ويز-ميرب بنارك

عزيزه= پياري

مُخزمه و عزّت والى بُزرگ عورت

وُعاكو يه وُعاكر لي والا

مَحِی = یرے دوست

٢٠- رعوت امه

(1)

میری الطی صفیہ سلہ اکا نِکاح جناب فضل الرحمٰن فاں صاحب
رئیس شاہجاں پؤرے صاحبرا وہ ظل الرحمٰن خال سلمۂ سے قرار پا یا ہے اس
تقریب بیں آپ کی مشرکت سے مجھے دِلی نُونی ہوگی
"ارشی ۱۰ جنوری مجھالیہ مخلص
وقتِ لکاح ۔ چھ بجے شام
وقتِ طعام ۔ ٤ بجے شام

(Y)

شیخ الجامِعہ اورمجلسِ تعلیمی جامِعہ مِبّہہ اِسلامِبہ کی

در خواست ہے کہ آپ ، سراکتو بر نے فیار بھے جلسۂ تقییم اسناد میں شرکت فرمایش

جناب دی اوی گری صدر جمہوریہ ہند نارع ٔ التّحصیل طلبار سے خطاب فرمایش سے سلمها = عام طور بربر برا بین جودوں کو عدت کنام کے بعد بطور مرا کھتے بات سلمها = عام طور بر رکھتے بات جودوں اور برک نام کے بعد دُعاک طور پر رکھتے بات طعام یہ کھا نا بین جودوں اور برک نام کے بعد دُعاک طور پر رکھتے بات طعام یہ کھا نا بیسٹے البارہ یہ وائس چانسلر جلسے تھیے اسا و یہ کا نور کیتن صدر جہور ہور یہ سند یہ پر سیٹے نٹ انڈین رہیدیک صدر جہور ہور یہ کا لیار یا جانبل کرے سے فارغ ہونے والے لوکے لڑکیاں ۔ فارغ البحق میں کھا ہا رہے جانبل بر مونا ایر کھا ہے کھا کہ ایر جانبل البیر جانبل البیر جانبل البیر کرا ۔ ایڈریس بر مونا البیر جانبل البیر جانبل البیر جانبل البیر جانبل البیر جانبل البیر جانبل البیر کرا ۔ ایڈریس بر مونا البیر جانبل البیر خانبل البیر جانبل البیر

الحالي المالي ال

وُنبا عجب بازارہے بھرجنس باں کی سات کے نگی کا برار نبک ہے بہرے بری کی بات لے میوں کھلا، میوہ طے بھل پیول نے بھیل بات کے ارام دے ارام لے وکھ در دوے آ فات لے کانجگ بہنیں کر گاگ ہے بیباں دِن کوئے اور رائے کے کانج کی بہنیں کر گاگ ہے بیباں دِن کوئے اور رائے کے

جو اورکی بستی رکھ، اس کابھی بہتا ہے، برگرا جو اورکے مارے بجری اس کے بھی لگنا ہے بچرا جو اورکی نورٹ دھری اس کا بھی ٹوٹے ہے وسرا جو اورکی چینے بری اس کا بھی ہونا ہے برگرا

کلجگ بہیں کرجگ جی یہ بال دن کو مے اور ان کے کہ بیس کرجگ جی یہ بال دن کو مے اور ان کے کہ بیس کرجگ جی یہ بال دے اس باتھ لے جو چا ہے لے چل اس گھر می سبجنس بال نیار ہے گرام میں آرام میں آرام میں آرام میں آرام میں آرام ہی منجرهار ہے گونیا نہ جان اس کو میاں دریا کی یہ منجرهار ہے اوروں کا بیڑا یار کر تیرا بھی میٹر الیار ہی میٹر الیار ہے

کائبگ ہیں کر جگ ہے یہ یاں دن کوف اورات لے کیا خوب سؤوا نفترہے اِس ہا تھ دے اُس ہا تھ لے

تواور کی تعربی کرجھ کو شن خوان سطے کر مشکل آساں اور کی جھ کو بھی آسان سطے تو اور کو جھی جھانی سطے تو اور کی جھی جھانی سطے رون کھلا رون کی سطے ، پانی پلا پان سطے

کا جگ نہیں کر گبگ ہے کہ یاں دِن کوف اورات لے کیا خوب مودانقدہے اِس ہاتھ سے اُس ہاتھ لے

یان زہرے تو زہر نے ، شکر بیں شکر ویکھ لے نیکوں کو نکی کا مزہ ، مؤذی کو ٹکر دیکھ لے موق ویک ویک ویک ویک کی موق دیکھ لے موتی دیکھ لے گرتجھ کے یہ ورہنیں تو تو بھی کر کر دیکھ لے گرتجھ کے یہ ورہنیں تو تو بھی کر کر دیکھ لے

کانجگ بہیں کرجگ ہے نیہ یال دِن کو دے اورات لے کیا خوب سودا نقرب اِس باعقد دے اُس ہا تھ لے

رجنس = جيز- سودا ا فات = آنت کی جمع - بلايش ازار = محکه دروگ شناخواني = تريين کرنا ما ور = يقين د بجروسا

٢٩- عُقابِ اوْرَمُرْ عَي

ایک عقاب بادلوں کی چا دروں کو چیزنا ہوا کوہ قاف کی چوٹیوں بر بہنچ اوران پر چکر لگا کرایک صدیوں پڑانے دیو دارے درخت پر بیٹھ گیا دہاں سے جو منظر دکھائی دے رہا تھا اِس کی خوب صورت بیں وہ محو ہوگیا۔
آسے ایسا معلوم ہوتا تھا کہ و نیا ایک بسرے سے ذوسرے بسرے تک تصویر کی طرح سامنے کھلی ہوئی ہے ۔ کہیں پر دریا میدانوں بیں چکر لگاتے ہوئے ہوئے بہد دہے بین ۔ کہیں پر جھیلیں اور کہیں پر درخوں کے گئے بھولوں سے لدے ہوئے بہار کی پونٹاک بیں دونق افر وزبین ۔ کہیں پر سمندر خفگی سے اپنے ماتھے پر بل دلالے ہوئے کوتے کی طرح کالا ہورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلالے ہوئے کوتے کی طرح کالا ہورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلالے ہوئے کوتے کی طرح کالا ہورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا ہورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا ہورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بل دلے ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بی دریا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بی دریا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ ماتھے پر بی دریا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ میونہ کی ہوئے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ میں دریا ہوئے کوتے کی طرح کالا میورہا ہے ۔ میونہ کوتے کی طرح کی کی ہوئے کی طرح کی ہوئے کوتے کی طرح کی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کے کرنے کی ہوئے کی ہوئے کی ہوئے کالا میورہا ہے ۔ میونہ کی ہوئے کی ہ

"ا ہے خُرا" عُقاب ہے اسمان کی طرف دیکھ کرکھا" بین تیراکہاں تک شکر اواکرؤں، تؤنے مُجھے آرہے کی ایسی طاقت دی ہے کہ وُنیا یس کوئی بدندی نہیں ہے جہاں میں برکنج مذسکوں - مین فِطرت کے منظروں کالطف ایسی جگہ بنیچھ کر اُٹھا سکتا ہوں جہاں کسی اور کی برکبنج نہیں "

ایک مکرطی ایک درخت کی شان سے بول اُٹھی میٹ تؤ آ بز کیوں اپنے مُنہ میاں مِٹھو نبتا ہے کیا میں شبھے کچھ بینی ہوں '' عقاب نے پھر د کیھا کہ ایک مکرٹی نے اُس کے چاروں طرف شاخوں پر ابنا جالا نن رکھا تھا اور آسے ابنا گھنا بنا رہی تھی کہ گویا سؤدج تک کو عقاب کی نظر آن سے چھیا دے گی

> مکری نے جواب دیا ہنیں ایٹا تو ہنیں ہے: " رُکھر قو نیاں کیئے آگئ ؟"

اتنے میں ایک طرف سے ہوا کا جھوٹکا آیا ا ور آس سے مکڑی کو اُڑا کر زمین پر گرا دیا

میرا خیال ہے اور آپ کو بھی مجھے انفاق ہوگا کہ و نیا بیں میرا خیال ہے اور آپ کو بھی مجھے انفاق ہوگا کہ و نیا بی میزاروں لوگ بین جو اِس مکرای سے بہت مثابہ بین لیک کر کسی کسی قابلیت اور مخت کے کسی بڑے آدمی کی وقع بین لاک کر کسی بلندی بر بی بی جانے بین اور وجور ایسا سینہ بی ملا کر جاتے بین گویا

فرانے اِن کو عقابوں کی سی توتت بخشی ہے۔ مگر صرفرت صرف اِس کی ہے کہ کو لی اِن کو درا سا بھؤنک وے اور وہ لینے جامے سمیت بھے زین بر بڑنے جاتے ہیں

(رفوی کهان مترجم پروفیسم مُحَدِمجیب)

صربول = سننكر ول منظر یه نظاره مح بوناء كسى خيال بس كموجانا رونن افروز : رونق برهانے والا خفلي = غصة سربلندی = عرت - بران حوصله يربمت گزارش : ومن . در خواست إِنَّفَا ق ي ايكار ايك رائية بونا مشابه مانند جامه و پوشاک - کبراے عويز= يناط تهلت: أرصت معلق لظائبوا والسلام: ادرسلام اى

منتخباشعار

ا۳- میرتقی میر

آگے آگے دیکھے ، موتا ہے کیا یعنی غافِل ، ہم چلے سوا ہے کیا نجم خواہش دِل میں تؤروتا ہے کیا داغ چھا ن کے عبث دھوتا ہے کیا

ابندائے میں جی روتا ہے کیا قافلے میں قبع کے اکستوریے سبز ہوتی ہی بنیں یہ سرزمیں یہ نشان عشق بین جاتے بنیں

مِبال خُونْ رہو ہم وُعا کر چلے
ہراک چیزے دِل اُٹھا کر چلے
ہمیں آپ سے بھی جُدا کر چلے
نظر مِن سبھوں کی فَدا کر چلے
فظر مِن مَنْ آئے کھے کیا کر چلے
جہاں مِن مَنْ آئے کھے کیا کر چلے

فیران آئے صدا کو پط وہ کیا چیز ہے آہ جس کے لیے دکھائ دینے یوں کہ بے خود کیا پرستش کی یاں تک کہ ابت بھی کیس کیا جو پؤچھے کوئی ہم سیر

جوخلیش نہون تو کا بیش مذہوق ہیں جی سے مارا تری آرزؤ لے: دہمایش شجھے میری باتیں وگر منہ رکھی وحوم شہروں بیں اِس گفتگؤ لے

زی چال شیر صی تری بات رکھی میں شجھے تبیر سمجھا ہے بیاں کم کوئے ہے وگرمذ ی ورند بنیں تو سبز ہونا ی سربز ہونا ہری ہونا بے تود یست آیے سے اہر عبرا دالگ

miles market

white water

تُخَمَّةِ بِيَجَ عَبِثْ اللهِ صدا الداز برستِش الداز برستِش الدوار فرمت کابش الکشاد وبلابن

ナシーデアル

٣٧ مرزااسدُ الله خال غالب

اگراؤر جیتے رہتے یہی اِنتظار ہوتا کی خوشی سے مرہ جانے اگر اعتبار ہوتا کوئی چارہ ساز ہونا کوئی عم گسار ہوتا نکھی جازہ اُٹھتا نہ کہیں مرار ہوتا شجھے ہم ولی سمجھے جونہ باوہ خوار ہوتا

یہ نے تھی ہماری قیمت کروسال یار ہوتا رترے وعدے پرجے ہم توبیجان جھوٹ جانا پرکہاں کی دوستی ہے کہتے بین شتناصح ہوئے ہم جوم کے رسواہوئے کیون خرق میا پرمسائل تھوٹ ایر بڑا بیان غالبت

کوئی صؤرت نظر رہیں آق

نیند کیوں دات بھر نہیں آق

اب کسی بات پر نہیں آق

ورد کیا بات کر نہیں آق

گیر ہماری خبر نہیں آق
مؤت آق ہے پر نہیں آق
مشرم نُم کو مگر نہیں آق

غرق ہمونا ہے کو کہنا مسائل ہے مسئلے سوال ولی ہے رشی یمنی برآنا ہے پاؤرا ہمونا کوئی آمید بر نہیں آتی موت کا ایک ون مُعیّن ہے موت کا ایک ون مُعیّن ہے آگے آتی تھی حالِ دِل پر ہنسی ہے گھ ایشی ہی بات جو چُیپہول ہم وہاں پرش جہاں ہے ہم کو بھی مرتے پیش آرزؤ میں مریے کی میٹر کی میٹر کرنے میں اور کے خالِب

وصال بر مروقات ناصح به نصیحت کریے والا چارہ ساز بر کام بنائے والا غم گسار نے ہم درو

LN

سه واب مرزاخال وآغ

بہت ویرکی ہمریاں آت آت وہاں جاتے جاتے یہاں آتے آتے وی دہ گئ در سیاں آتے آتے ذاتے نہ آتے یہاں آتے آتے کہ آتی ہے اُردؤ زباں آتے آتے

د جانا کر دُنیا ہے جاتا ہے کوئی نتیج نہ نِکلا ، تھے سب بیای شنانے کے قابل جو تھی بات اُن کو کسی نے کھ اُن کو اُبھارا تو ہوتا ہنیں کھیل اے واع ! یاروں سے کہ دو

کیے کہتے بھے بڑا کیے
یہ نہکے کہ مُدْعا کمیے
کہنے والوں کوخیر کیا کہتے
آپ اپنا تو مدّعا کہیے
ہے کوئی اور دوسراکیے

نادوائي نا سر، الميك آپ اب برائن نه گفلوائن تُح كواچها كها، كرك ك برسطلب ميكاغ ضطلب آپ كاخير خواه مير سبوا

ان سے ہونا ہے مامناجی دِن دؤر بی سے سلام ہونا ہے اُن سے ہونا ہے واقع کا نام سُن کے وہ بولے اُدی کا یہ نام ہونا ہے

ینامی = بیام لے جانے والا کسی کی بات بہنجانے والا ناسزا بناواجب نامناسب - بے جا ورمیاں = بیج بس ناروا = نامناسب می بات بہنجانی جانے والا ناروا = نامناسب می بات بہنجانے والا

۲ سيد اکرشين اگراله آبادي

مگر افوس اب وه جی ،سی بنیس کونی ایشی شال تھی ہی تہیں بولے بننس کے وہ اُ دی ہی بنیں

چاہتا تھا بہت سی باتوں کو اس معيبت من دل سے كيا كيتا پوچھا، اکبر ہے آدمی کبشا

مولوی صاحب نے چھوڑیں گے، قُرا گونیش کے گھیرہی لیں کے پولیس والے سزاہویات ہو

كيول سول سرجن كا آناروكمائي بنشي اس مبراع اكبات آنر كي شفا بويانه بهو ممبری سے آب پر تو وارنش ہوجائے گی قوم کی حالت میں کچھ اس سے جلا ہویا نہو

جوافسر کے بس وہ جھٹ کیجے جوصاحب كهلا بَيْن ودجيط يينجي کہیں مفلسوں کو نہ پٹ میج تو چرب پر این کلٹ کیے ابُان، يجي اورنه بث يجي م يُحِم انتظار كرث يكي كال كا حلال اوركيثيا حرام سِكُمات بن تقليران كليش جوآب بهت شوق انگريز بنخ كاب اجل أن البركيا وقت بحث

مُفلس به غربیب ا جل ۽ مؤت حرام = ناجائز نقلبر ۽ نقل ۽ بروي

ہم نقیں یہ ساتھ بیٹیے والا دوست يشفاء رشى تندرستى بيارى سے اجھا ہونا جِلا = روشنی ـ چیک طلال = جائز

۵سر- شؤكت على خال فان بدايون

وشمن كا نفييب چابنا ہؤں كھھ ا دُر قريب چابتا ہؤں ديدار جبيب چابتا ہؤں فان وہ نصيب چابتا ہؤں تیکین عیب چاہتا ہوں تُم، دِل بن بھی رہ کے دورسے ہو انجسام بخبر ہو نظر کا غم کو جو خوشی بنا کے چھورا

موت مِلْ تومُفْت داول، سِتى كى كباسى ہے م جو اُجرشے اور بجر رزیدے دِل دہ برال بی ہے م آگے مرض گاہک كى إن داموں توسسى ہے د دِل بيگھاكى چھائى ہے فیملتی ہے رز برسی ہے د بتی بنا كھيل ہنیں، بسے بسے بسی ہے م بائے وہ آنكھ اب بان كى دولؤندوں كوترسى بح وَبْهَا مِيرى بلا جائے بَهُنگی بِهُياستى بِيَ آبادى بھى دىكيھى بِيْ، ويرائے بھى ديكيھے بيْن جان سى شے بِك جائى بِيْ اِيك نظر كے بدلين آئنو تقے سوئٹ بُوئى بى بے كرامٹرا آتا ہے دِل كا آجونا ہمل ہمى، بنا سہل ہميں، خلالم فاتى جس بيس آئنوكيا، دِل كے الحكاكال درمقا

زِنرگی کابے کوبے ، نواب ہے دیوانے کا دِنرگی نام ہے مُرمُر کے جے جے جانے کا اک مُمعّام مجھے کا نہ سمجھانے کا برنفس غر گرشنہ کی ہے مبت فاکن

مینت نرده ان گزشه برگزری بوتی هبیب: دوست

ہستی یہ زندگی حقیقت شغیبہ چیپ ابؤیہ خون نفس سائس

نصیب یوشمت دبیدارچا مبناء مؤرت دیکھنے کی خواہن ہونا بخیرانجام ہوناء اچھا نتیجہ ہونا

تسكين وخفارس الطمينان

٣٧٠ على سِكندر جُكر مُراواً باوى

لاله بلایش ایک نشین لیکن ابنا اسب دامن بخ وہی اب ناعقل کا بجین نام بڑے افر تھوٹی درش سابہ ہے ہیکن روشن سٹون کوئی پیہ کہ نے گکشن گُشن پھول کھے ہیں گکشن گکشن مُری بیتیں، صدیاں گزییں کام ادھول اور آزادی شمع ہے لیکن دُھندل دُھندل

د أنسوبهاك كوجى چاہتا ہے پلٹ دين ذمائكوجى چاہتا ہے مگر بحؤل جانے كوجى چاہتا ہے برك ناز أشخال كوجى چاہتا ہے من اب مُسكرك كوجی چا بهتائي كوئی معلمت روک دينی ہے ورند کوئی معلمت روک دينی ہے ورند مُحَظِی بحول جانا تو ہے بندیث رُمِیکن جگراب تو وہ بھی یہ کہتے ہیں مُجَدِیت

غم بھی جس کو رأسس نہ آئے بھائے، لیکن راہ نہ پائے رفح اگر تسکیبن نہ پائے گائشن نہ باغ نشبن نے گھر ۔ رہنے کی جگر راہ نے راستہ ہانے وہ کیوں کر دِل بہلائے دِل پہ کچھ ایشا وقت پڑائے بچو ٹی ہے ہر ایک مسرّت رفرح یہ اتا مسرّت یہ خوشی مسرّت یہ خوشی معلوت رئیک صلاح نیک بجور بیک صلاح

١١٠ ركويتي سهائ فراق كوركهورى

غمے چھٹ کرین م ہے بھو کو کینوں غم سے بنجات ہوگئ ہے ممرت سے خب ربلی نہ و لک کی شاید کوئی بات ہو گئ ہے اس دوریں زِندگ بشر کی بیار کی دات ہو گئی ہے اس دوریں زِندگ بشر کی بیار کی دات ہو گئی ہے بیتی ہوئی از ک مُجتب کھیلا ہؤں تو مات ہوگئی ہے ا

کبھی خوش کرگئ مجھ کو تری یاد کبھی آبھوں ہیں آننوآ گیا ہے شِکا بت تیری دِل سے کرتے کرتے ہے اچانک پٹار شجھ بر آ گیا ہے م مجت یں فِرْآق اِتنا مَعْ کر زمانے میں بہی ہوتا رہا ہے م

راز کو رازی، رکھا ہوتا کیا کہنا گر ایسا ہوتا کئے کئے کئیں راتی ہوتے ہوتے سویرا ہوتا ہوتا ہم جو تجھے کچھ کھول میں جا کھوتا کے گھوتو کھات کی گھر تو زمانہ برلا ہوتا ہم بھی فراق اِنسان تھے آخر ترکی مجت سے کہا ہوتا ہوتا ہوتا ہم بھی فراق اِنسان تھے آخر ترکی مجت سے کہا ہوتا

سِنجات یہ شخطکارا راز = بھید دور ہے زمانہ ترک کرنا ہے چوڑ دینا بشر = انسان

इमला का तरीका

उर्दू श्रुत लेखन में दो बातें हमारे सामने त्राती हैं।

- किसी शब्द के लिखने में कौन सा अन्तर आधा और कौन सा प्ररा लिखें।
- २. कौन से यज्ञर मिला मिला कर लिर्खे यौर कौन से यलग यलग।

इसके लिखने का एक फारम्ला बनाया गया है। यह यह कि यत्तरों के दो खानदान बना दिये गये हैं। एक को बड़ा खानदान कह लीजिय दूसरे को छोटा। बड़े ख़ानदान की दो यादतें याद रिखये। जो दो यादतें इस ख़ानदान की हैं उनका उलट छोटे ख़ानदान की दो यादतें समिक्सये।

बड़े ख़ानदान की दो यादतें यह हैं:

- शब्दो में यह पूरे-पूरे लिखे जाते हैं क्योंकि इनके दो रूप नहीं हैं।
- २. दूसरी बादत यह है कि यह दावें बोर दूसरों से मिलते हें बोर बावें बोर नहीं मिलते हैं। जैसे:

छोटे ख़ानदान की दो यादनें इनके उलट हैं:

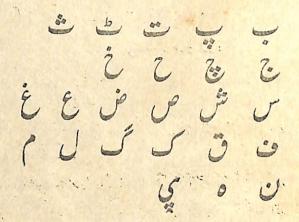
- १ शब्द के लिखने में इनके याधे रूप (मिरे) लिखे जाते हैं।
- २. दूसरी त्यादत यह है कि यह मिला मिला कर लिखे जाते हैं लेकिन त्यन्त में त्याये तो पूरे ही लिखे जाते हैं। जैसे:

باش چمن گنیت

इमला का खानंदान

खानदान नं० १ (पूरे लिखे जाने वाले अक्षर)

बानदान नं० २ (ग्राधे रूप में लिखे जाने वाले ग्रक्षर)



इस्यादि क्रि॰ क्रि॰

अब रह गए ६८ ६१ इत्यादि अर्थात दो आँखों वाले अकर। इमला लिखने में इनका सिद्धान्त वही है जो इन के मूल अक्षरों का है। जैसे:

يمات برط ادهر سيمل

लेकिन b — b पूरे लिखें जाते हैं और इन के दोनों ओर अक्षर मिलते हैं। जैसे:

مطافر مطاؤم

خطرك بت أرد وكورك

ا . جا معہ بنیہ إسلامیہ جامعہ نگرنٹی وہلی کے جشن زریس انگلائی کے مؤتع پراس کورس کے انتظام کی ابتدا کی گئی ہے:

اس کورس کا مقصد مختلف زبانوں کے ذریعے خطاکتابت کے سہارے آردؤ کی ابتدائی
 تعلیم دینا ہے ۔

١٠٠ توقع كى جاتى ب كرسيكيف والا عام فهم أردؤ بول سكتا مو اور سجه سكتا مو-

م سيكھنے والے كيے ضرورى ہے كدودكونى ايك زبان برط هسكتا ہو۔

۵۔ فی الحال جندی اور کے ذریع تعلیم دینے کا اِنتظام کیاگیا ہے۔

. اس کے نصاب کے مطابق کتا ہیں نتار کی کئی ہیں، شرکت کے توا عدید ہیں :

قواعرتبركت

ا- جولوگ جمارے دفترے خطاکتا بت کے ذریعے ربط قائم رکھ گرتعلیم پانا چاہیں دہ ہمارے
 با قاعدہ زکن رطاب علم) کہلائیں گے۔

انسے اراکین کو داخلہ فارم بھرنے کے بعد اس نصاب دکورس ، کی کتا ہیں ایک ایک کر کے
مفت دی جانیں گی ۔ اس تعلیم کی فیس بھی نہیں ہے لیکن پورے کورس کی ڈاک اؤر
کتا ہیں بھیجنے کا خرج دو روپے ہے جو پوسٹل ارڈر یا منی ارڈر کے ذریعے آنا چا ہیے۔

م. خط بكفة وقت داخد نمبركا حواله ديا كيجي

ہو لوگ ہارے دفترے ربط قائم کے بغیر ہماری کتابوں ہے استفادہ گرنا چاہیں
 تو وہ مکتبہ جا بعد لمیٹ ڈ جابد گرنی دہی۔ ۲۵ سے مقررہ تیرت پریکتا ہیں حاصل کر سکتے ہیں۔

۵۔ فصاب تعلیم اور وافل فارم حاصل کرنے کا پتریہ ہے:

ناظم خطاکتابت اُرد فرگورس مامعه نمیداسلامیه جامعه گرننی دایگ خطرکتابت أردؤ كورس كي

دوسری کاب

رمعيار ٢ تا٢ جماعت ١

مجلس إدارت

پروفیسر محمد مجیب عبرالله ولی مخش قادری محمد ذاکر عبرالغفار مربولی